दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 192
मुरादाबाद
(Tuesday)
04 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने तेजस्वी से पूछा- अपने पिता का नाम छपवाने में शर्म क्यों आ रही है?

पीएम नरेंद्र मोदी ने सहरसा के बाद कटिहार में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कटिहार के लोगों से एनडीए को वोट देने की अपील की और %फिर एक बार एनडीए सरकार% के नारे भी लगाए। धानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार की जनता राजनीति की पारखी है। जो कहा जाता है बिहार की जनता, उससे आगे की बात समझ जाती है। आप राजद और कांग्रेस के पोस्टरों को देखिए। जो वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे, जो बिहार में जंगलराज लाए। उनकी तस्वीरें

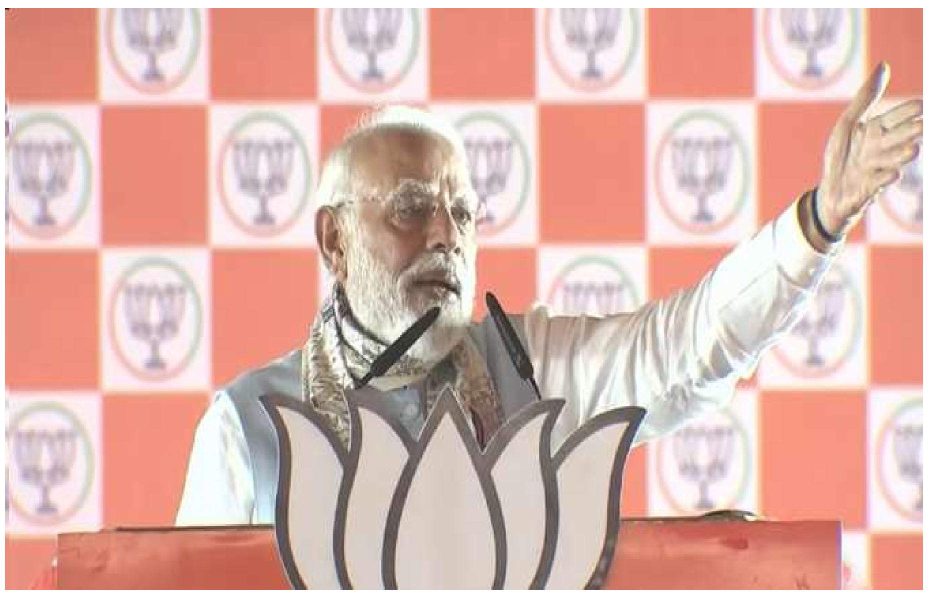

पोस्टरों से गायब हैं। अगर कहीं हैं तो पोस्टरों के कोने में छोटी तस्वीर है। यह दूरबीन से भी नहीं दिखती है। जो उनके लिए इतने बड़े नेता थे, जिनके परिवार के सारे लोग चुनाव के मैदान में उन्हें ही गायब कर दिया। यह छिपा- तेजस्वी पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अपने पिता की नाम बोलने और छपवाने में शर्म क्यों आ रही है। वह कौन सा पाप है, जिसको राजद वालों को बिहार के नौजवानों को छिपाना पड़ रहा है।

इन लोगों के पोस्टरों में कांग्रेस लगभग गायब है। राजद ने कांग्रेस को कट्टा दिखाकर मुख्यमंत्री का उम्मीदवार भी घोषित करवा दिया। अब कांग्रेस को उसकी हैसियत भी दिखाई जा रही है। राजद वाले कांग्रेस को उसकी हैसियत भी दिखा रहे हैं पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों के पोस्टरों में कांग्रेस लगभग गायब है। राजद ने कांग्रेस को कट्टा दिखाकर मुख्यमंत्री का उम्मीदवार भी घोषित करवा दिया। अब कांग्रेस को उसकी हैसियत भी दिखाई जा रही है। कांग्रेस के नामदार कुछ हफ्तों पहले तक बिहार में बड़े-बड़ें दावे कर रहे थे। उनकी तस्वीर को पोस्टर और घोषणा पत्र में बौना बना दिया है। राजद के नेता जो वादे और घोषणाएं कर रहे हैं, तो कांग्रेस के लोग ही उनपर विश्वास नहीं करते हैं। कांग्रेस और राजद के बीच लंबे समय से एक भीषण झगड़ा चल रहा है। कांग्रेस के नामदार ने छठ को इसलिए ड्रामा बताया ताकि बिहार के लोग राजद पर गुस्सा उतारे और राजद को पराजित करें।

कांग्रेस के दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री और बड़े नेताओं के बयान आप सुने होंगे। अलग-अलग राज्यों से कांग्रेस के नेताओं के बिहार के लोगों के लिए जानबूझकर अपमानजनक बातें बुलवाई जा रही है। केरल में कांग्रेस नेताओं ने बिहार की तुलना बीड़ी से कर दी। तमिलनाडु के जो नेता बिहारियों को गाली देते हैं, उन्हें प्रचार के लिए कांग्रेस ने बिहार में बुलाया है। राजद और कांग्रेस वाले एक-दूसरे का वोट बैंक छिनना चाहते हैं।पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस वाले वोट पाने के लिए देश की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं। गरीब, दलित, महादलित, पिछड़े और अति पिछड़े को जो मुफ्त राशन मिल रहा, वह घुसपैठियों को मिलना चाहिए क्या? क्या आपका हक घुसपैठियों को देना चाहिए? राजद और कांग्रेस वाले अनाज, मुफ्त इलाज समेत सारी सुविधाएं घुसपैठियों को देना चाहते हैं। वह देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बिहार और देश के संसाधनों पर भारत के नागरिकों का ही हक है। आपका ही हक है। यह हक हम किसी को चुराने नहीं देंगे। लेकिन, कांग्रेस और राजद के लोगों को कट्टा और कट्टरपंथी ही पसंद है।

जबकि भाजपा घुसपैठियों को बाहर करने की बात करती है। कट्टरपंथियों के दबाव में राजद और कांग्रेस वालों ने तीन तलाक और नए वक्फ कानून का विरोध किया। इन कानूनों को यह लोग कूड़ेदान में फेंकना चाहते हैं। राजद और कांग्रेस वाले कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेक चुके हैं। लालटेन, पंजे और लाल झंडे वालों को बिहार को दशकों तक विकास से दूर रखा। क्योंकि इनके एजेंडे में विकास था ही नहीं। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सुशासन की सरकार बनी। पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस के लोग गरीबों को डराते थे। जंगलराज वालों की इसी सोच की वजह से हमारे कटिहार में विकास नहीं हुआ। कांग्रेस और राजद ने इसको पिछड़ा जिला घोषित कर अपना पल्ला झाड़ दिया। जब किसी अफसर को सजा देनी होती थी तो उसे कटिहार भेज देते थे। जब 2014 में आपने मोदी को अपनी सेवा का मौका दिया तो मैंने तय किया कि आपको मुश्किलों में नहीं रहने दूंगा। इसलिए मैंने कटिहार को आकांक्षी जिला घोषित किया। आज यहां सड़क और रेल लाइन का जाल बिछ रहा है। यह चुनाव बिहार के नौजवानों के बहुत महत्वपूर्ण है। विकसित बिहार का मतलब है हर परिवार की समृद्धि है बिहार का यह चुनाव राज्य को विकसित बनाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है। विकसित बिहार का मतलब है हर परिवार की समृद्धि है। इसके लिए एनडीए की डबल इंजन सरकार बहुत जरूरी है। केंद्र सरकार गरीबों को पक्के घर बनाने में मदद करती है। जहां-जहां एनडीए की सरकार है, वहां घर बनाने का काम तेजी से चल रहा है।

लेकिन, जहां कांग्रेस की सरकार है, वो इस योजना को डिब्बे में बंद कर रहे हैं। वह गरीबों का घर नहीं बनने दे रहे हैं। इसलिए पक्के घर बनाने के लिए एनडीए को आपका आशीर्वाद चाहिए। बिहार में 60 लाख पक्के घर गरीबों को मिल चुके हैं। कटिहार में ही करीब एक लाख पक्के घर गरीबों को मिले हैं। पीएम मोदी ने एनडीए सरकार की विकास योजनाओं को गिनाया। इसके बाद एनडीए प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की।

शिवपाल यादव ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना, कहा- यूपी में लूटखोरी चरम पर

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने सोमवार को बदायूं में सपा व्यापार प्रकोष्ठ के कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। बदायूं में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां पर निश्चित रूप से तेजस्वी यादव की सरकार बनेगी।

शिवपाल ने कहा कि भाजपा की सरकार व नेताओं ने बिहार समेत पूरे देश को लूट लिया है। खासकर उत्तर प्रदेश में लूटखोरी चरम सीमा पर है। शिवपाल सिंह यादव सोमवार को बदायूं शहर में सपा व्यापार प्रकोष्ठ के कार्यालय उद्घाटन के लिए पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए यह बातें कहीं। शिवपाल यादव ने कहा कि यूपी में आज गुजरात की कंपनी आकर काम कर रही है। वह यहां पर भारी कमीशन देकर काम कर रहे हैं। इतना घटिया काम हो रहा है कि सड़कें एक साल भी नहीं चल रही हैं। भाजपा सरकार ने पूरे देश को लूट लिया है। बर्बाद कर दिया है। महिला टीम के विश्वकप क्रिकेट जीतने पर शिवपाल यादव ने कहा महिला क्रिकेट टीम को हम बधाई देते है। उन्होंने पूरे देश का नाम रोशन किया है। कहा सपा ने तो हमेशा खिलाड़ियों, साहित्यकार समेत जो भी महान विभूतियां हैं उनको सम्मानित करने का काम किया है।

जनता दर्शनः एक-एक फरियादी से मिले सीएम योगी, अफसरों को दिए निर्देश- समय सुलझाने के बाद फीडबैक लें

जनता दर्शन के दौरान कई पीड़ितों ने पुलिस कार्रवाई पर असंतोष जताया। पीड़ितों ने चोरी की घटना के अनावरण के बाद भी रिकवरी न होने पर असन्तुष्टि जताई। साथ ही जमीन कब्जे की भी शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवम्बर माह के पहले सोमवार को भी जनता दर्शन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कई जनपदों से आये एक-एक पीड़ितों के पास पहुंचकर उनकी समस्या सुनी, फिर अफसरों को निर्देश दिया कि निश्चित समयावधि में उचित निस्तारण कराएं और पीड़ितों से फीडबैक लें। इस दौरान लगभग 60 से अधिक पीड़ितों ने एक-एक कर अपनी समस्या से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। फरियादियों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए संकल्पित है। पुलिस से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने कहा- पीड़ितों की संतुष्टि आवश्यक- जनता दर्शन के दौरान कई पीड़ितों ने पुलिस कार्रवाई पर असंतोष जताया। पीड़ितों ने चोरी की घटना के अनावरण के बाद भी रिकवरी न होने पर असन्तुष्टि जताई। साथ ही जमीन कब्जे की भी शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई। इस पर मुख्यमंत्री ने इसकी जांच कर तत्काल कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। आप सिर्फ एस्टिमेट भिजवाइये और मरीज का ध्यान रखिये-एक पीड़ित ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

सावधान! वृद्धों की जान पर खतरा...7 दिन में 12 की मौत, एक तो किसी दिन दो की जा रही जान

उत्तर प्रदेश के एटा जिले में हार्ट अटैक से मौतों के मामले में तेजी आ गई है। पिछले सात दिन में 12 लोगों की मौत हुई है। एटा मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में एक हफ्ते में हार्ट अटैक से 12 मौतें हो चुकी हैं। रविवार को इमरजेंसी में एक और 55 वर्षीय वृद्ध को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। आर्य नगर शिवगंज निवासी हरिबाबू (55) को रविवार को मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में करीब 10 बजे लाया गया। यहां चिकित्सकों ने ईसीजी समेत अन्य परीक्षण करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके बेटे योगेश ने बताया कि सुबह अचानक पिता के आधे शरीर ने काम करना बंद कर दिया। इसके बाद मेडिकल कॉलेज में दवा दिलाने लाते समय रास्ते में ही उन्हें हार्ट अटैक आ गया। गौरतलब है कि मौसम परिवर्तन से सर्दी में बुजुर्गों और सांस के मरीजों को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। पिछले एक सप्ताह में 12 वृद्धों की हार्ट अटैक से मौत हो चुकी हैं।सीएमएस डॉ. सुरेश चंद्रा ने बताया कि सर्दी के मौसम में सांस व हार्ट के मरीजों की दिक्कतें बढ़ती हैं। ठंडी हवा से रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं और रक्तचाप बढ़ जाता है। इसके साथ ही श्वास नली में जलन होती है। इससे सांस लेने में दिक्कत आती है। गंभीर स्थिति में मरीज की मौत भी हो सकती है। 55 वर्षीय एक वृद्ध को लाया गया जिन्हें चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि की।

रंगारेड्डी में भीषण सड़क हादसा, बस-ट्रक की टक्कर में 19 की मौत; PM मोदी ने किया मुआवजे का एलान

तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के चेवेला मंडल में खनापुर गेट के पास बस और ट्रक की टक्कर में 19 लोगों की मौत हो गई, 20 घायल हैं। परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर और केटीआर ने घटना पर शोक जताया और घायलों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिसमें 3 गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा चेवेला मंडल के खनापुर गेट के पास उस समय हुआ जब टीजीएसआरटीसी की बस और एक टिपर ट्रक आमने-सामने टकरा गए। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह के समय हुआ जब टिपर गलत दिशा से आ रहा था और बस से जा भिड़ा। पुलिस के मुताबिक, चेवेला के पास एक टिपर ट्रक, जो ग्रेवल (बजरी) से भरा हुआ था, ने राज्य परिवहन निगम की बस को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का माल बस पर जा गिरा। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। पुलिस ने बताया कि हादसे की प्राथमिक वजह ट्रक चालक का गलत दिशा में वाहन चलाना लग रही है। फिलहाल चालक की पहचान की जा रही है और

मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।19 लोगों में 10 महिलाएं और एक तीन महीने का बच्चा भी शामिल- मौके पर पहुंचे एडीजी महेश भागवत ने बताया कि आज सुबह, जब विकाराबाद डिपो की यह बस हैदराबाद की ओर जा रही थी, एक टिपर हैदराबाद की ओर से चेवेल्ला से विकाराबाद की ओर आ रहा था। आमने-सामने की टक्कर हुई, ऐसा लगता है कि टिपर बहुत तेज गति से यात्रा कर रहा था और उसने इस बस को टक्कर मार दी। अब तक कुल 19 लोगों की मौत हुई है- 10 महिलाएं, 8 पुरुष और 3 महीने का बच्चा शामिल है। मामूली रूप से घायल लोग चेवेल्ला सरकारी अस्पताल में हैं। गंभीर रूप से घायल लोग चेवेल्ला के पास एक अन्य अस्पताल में हैं। कुछ अन्य लोग पहले ही घर जा चुके हैं और हम उनका पता लगा रहे हैं। कंडक्टर के बयान के अनुसार, बस में लगभग 72 लोग थे। हम इसकी पुष्टि कर रहे हैं। हादसे में घायलों की हालत स्थिर- पीएमआर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रामकृष्ण रेड्डी ने कहा सुबह लगभग 8.30 बजे हमें इस बड़ी दुर्घटना की खबर मिली। अब तक हमारे पास 14 मरीज आ चुके हैं। इनमें से 5 को फ्रैक्चर हैं, जिनमें पसलियों और कूल्हे का फ्रैक्चर शामिल है। एक मरीज की नाक से खून भी बह रहा है। हमने तुरंत उनका इलाज शुरू कर दिया है। अब लगभग सभी की हालत स्थिर है।पीएम मोदी ने जताया दुख, मुआवजे का एलान तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में हुए सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दर्दनाक दुर्घटना में कई लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हुए हादसे में जान गंवाने वालों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने हादसे पर जताया शोक रंगारेड्डी जिले के चेवेला मंडल में हुए सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, सीएम ने अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत व बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। रेवंत रेड्डी ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया है कि बस हादसे में घायल सभी लोगों को तुरंत हैदराबाद लाया जाए और उनके बेहतर इलाज की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि हादसे से जुड़ी पूरी जानकारी समय-समय पर उन्हें दी जाए।

संपादकीय Editorial

Until the economic dawn

The vibrations of intentions, the shrouds of compulsion, will tear away. Where will your spring be? Ironically, the central hand that yesterday smoothed the paths of mountain existence is now crippled by its support for thorns. Call it the mullah's race to the mosque or economic irony: Himachal, shrouded in its intentions, is offering prayers to the east, hoping for dawn. It's difficult to say when the central government will see the sun, because saving a state wounded by disaster requires a humanitarian approach. Sure, it was announced that a relief of fifteen hundred crore rupees would alleviate poverty, but the file's cover turned out to be crooked. In the past, Himachal's joys and sorrows were recognized among the mountain states with special privileges, but now a ruthless political vision has shifted the scales. Neither the Finance Commission of Panagariya is projecting a future, nor is the seat of Union Finance Minister Nirmala Sitharaman becoming serene. The disasters have not only destroyed the state's assets, but also thousands of hearts. The branches of development and the paths of progress have been shattered. The mountains, with their wounded existence, have presented their status and aspirations to the nation, and have also offered a bid to account for the declining central grants due to the revenue deficit. The kohl of the Fifteenth Finance Commission's eyes has been so eroded by the state's tears that, while the revenue deficit grant was 10,249 crores in 2020-2021, it has fallen to 3,257 crores in 2025-26. The central government's grip on the wages of mountain living is now tightening. If the central government continues to measure purely through politics, no hill state will be able to see a bright future. These constraints are becoming more severe due to the elections and after the Congress victory. This is also due to the guarantees that have become a festering scourge on the financial condition of the Congress-ruled state. The politics of public trumpeting has destroyed the very foundations of fiscal balance, and so the ambitions based on debt are now becoming increasingly difficult to achieve. In the desert where OPS's ship is anchored, financial mirages have sapped all sources of relief. Consequently, even the 1600 crore rupees for additional loans have dried up. Clearly, the Chief Minister has submitted the state's financial statements to the central government, seeking assurances of an increase in the debt limit in addition to central assistance. Surprisingly, Himachal, rich in natural resources, stands on the scorching sands of the central political desert, far removed from its water rights, environmental rights, and mountain rights. This is the very sand that is irrigated by the national sentiment emanating from the mountainous region. Large dam projects, eroding the mountainous terrain, have not only robbed it of land, farmland, and culture, but have also devastated its economy. If the central government expects self-reliance from the mountainous states, it will have to change the rules. If 68 percent of the state's land has been designated for forests, then a limit should be set for this to foster a new economy and self-reliance. Under no circumstances should the state's forest land exceed 50 percent, and if this happens, many hill states like Himachal Pradesh will be able to find alternative economic sources. To strengthen the mountain development and economic infrastructure, it is necessary to establish a separate Ministry of Mountain Development so that central schemes, technology, and R&D can be adequately funded in accordance with the geographical, geological, and environmental conditions of these areas.

A crying girl, Jemimah...

There was no girls' cricket team at her school, so her father created one for Jemimah.

When the match between India and England was played at the Holkar Stadium in Indore on October 22nd, she was outside the field. She wasn't considered good enough for the playing eleven. Jemimah redefined tears. She proved that a crying girl is not weak. Her tears flowed, breaking through the hard rocks of difficulties. Inside her, there was a buildup of resentment, humiliation, and countless taunts. She fought with herself every day and lost. Every night she cried before going to sleep. In this memorable match, Jemimah defeated not only Australia but also her own weaknesses. She wasn't playing for 100-50 runs. The fours and sixes that came from her bat weren't just runs, they were answers to all the questions she was asked every day. Do your father convert people to Christianity? Why can't you play well? She didn't have answers to these questions in words. When the match between India and England was played at the Holkar Stadium in Indore on October 22nd, she was outside the field. She wasn't considered good enough for the playing eleven. Going through the most difficult phase of her life, Jemimah had nothing left to lose. Her fight was with herself, and she had to defeat herself. She just needed an opportunity. That joyful moment came on Thursday. She was told five minutes earlier – you have to bat at number three. She composed herself, built a mountain of confidence within herself, and went onto the field... Jemimah went out to bat to beat the insults, stress, and weaknesses she had endured. Jemimah played brilliantly. She cried a lot. This time, the crying girl looked beautiful... The words that came out after winning the match with teary eyes came from the heart. Listen to what she said... I didn't even know I was going to bat at number three. I was taking a shower, I just said to let me know. Five minutes before, I was told I was going in at number three. It wasn't about proving myself, it was about winning the match for India, because we've lost so many matches in similar situations before. First of all, I want to thank God, because I couldn't have done this alone. I know He's the one who got me through this tough phase today. I want to thank my mom, dad, coaches, and everyone who believed in me during this time. These past few months have been really tough, but this feels like a dream, and it hasn't fully sunk in yet. Last year, I was dropped from this World Cup squad. I was in form, but things just kept happening one after another, and I couldn't control anything. I cried almost every day throughout this whole tour. I wasn't mentally well, I was struggling with anxiety. But I knew I just had to get on the field, and God would take care of everything." Initially, I was just trying to stay focused and constantly talking to myself. But towards the end, I was repeating a Bible verse because my energy was completely drained, I was so tired. The verse was: 'Just be still, and God will fight for you.' I just stood there, and He fought for me." "When I couldn't go on anymore, my teammates were encouraging me. Deepti (Sharma) kept talking to me after every ball. Richa (Ghosh) came and lifted me up. I can't take credit for this myself, I didn't do anything. Every single spectator who was cheering, who believed, their shouts for every run gave me energy." "Today wasn't about my 50 or 100, it was about winning the match for India. I think God did everything at the right time." Jemimah made her international cricket debut for India at the age of just 17. Jemimah made her T20 debut against South Africa on February 13, 2018, her ODI debut against Australia on March 12, 2018, and her Test debut against England on June 16, 2021. You hear a lot about Gen Z, but this new Indian star from Gen Z is something else. Indian cricketer Jemimah Rodrigues, who played a century-making role in defeating the undefeated Australian team in the Women's World Cup semi-final in 2017, is truly exceptional. When Jemimah Rodrigues picks up the bat, it seems as if she is not hitting the ball, but rather conquering her inner doubts. Every shot, every smile, and every innings of hers tells a story. The story of a girl who made her father's dreams her wings, who fell repeatedly but always got up and smiled. Jemimah was born on September 5, 2000, in a middle-class family in the Bhandup area of ??Mumbai. Her father, Ivan Rodrigues, is a cricket coach. It was her father who introduced Jemimah to the world of sports. There was no girls' cricket team at her school, so her father created one himself. He would take Jemimah for practice every morning. Her father's clear message was, "Play the game not just to win, but to know yourself." Jemimah started playing cricket when she was just 10 years old. Playing domestic cricket for Mumbai, she made her mark in the Under-19 category. In 2017, she scored an unbeaten 202 runs while playing against Maharashtra. This innings caught everyone's attention and a new name was added to Indian women's cricket. Debut at the age of 17 - At the young age of 17, Jemimah made her international cricket debut for India. Jemimah debuted in T20 against South Africa on February 13, 2018, in ODIs against Australia on March 12, 2018, and... Jemimah Rodrigues made her Test debut against England on June 16, 2021. She won everyone's hearts with her confidence and shot selection. Her unbeaten 127-run innings against Australia in the Women's World Cup semi-final will remain memorable. Every player experiences a slump in their career, but for Jemimah, this slump was a test. During 2019-20, she was dropped from the team due to consistently poor performance. She struggled with depression, criticism, and self-doubt. In an interview, Jemimah's pain was evident when she said, "There were days when I would cry every morning, it felt like everything was over, but then I remembered what my father had said, 'Beta, falling is also a part of training.'" This struggle didn't break Jemimah; instead, it made her stronger. She started focusing on her mental health, finding solace in yoga, music, and writing. Today, Jemimah openly says that talking about mental health is not a weakness, but the greatest strength of Gen Z. Jemimah is a true representative of the Gen Z generation. She is as serious on the field as she is cheerful and modern off the field. She is often seen doing dance steps on the field. She has millions of followers on Instagram, where she plays the guitar, sings, and shares inspirational messages. She is a blend of modernity and culture, showing that femininity, faith, and confidence can coexist. Jemimah Rodrigues' story is not just a story of cricket; it is the story of a daughter, a player, a human being, and a generation that is not afraid of failures but learns from them.

Politics Clashes with Faith, Turmoil in Bihar: Rahul's Statement on Chhath Festival Casts a Shadow on His Politics, a Gift for Modi

After a long hiatus, Rahul Gandhi finally came to Bihar. He held rallies and launched attacks, but seemed to distance himself from his core issue of vote rigging. However, his statement on the Chhath festival stirred up the political arena in Bihar. In the most crucial phase of the elections, the BJP is preparing to make Rahul Gandhi regret his statement about "Chhath and Modi's drama," reminding the Leader of the Opposition in the Lok Sabha of the consequences. Rahul Gandhi held public meetings in Muzaffarpur and Darbhanga on Tuesday. In these meetings, he directly targeted the Prime Minister, but the BJP has used his statements, linking them to 'cultural identity' on the lines of Gujarat, turning them into a tool for polarization. Rahul Gandhi tried to portray Prime Minister Narendra Modi as a 'master of theatrics,' but his words questioned Bihar's most sacred festival. Rahul threw this loose political ball at a time when Modi himself is also coming to Bihar on Thursday. Home Minister Amit Shah is also there. There is enthusiasm in the NDA camp after Rahul's statement on Chhath. They feel that it will be easier for them to corner the Grand Alliance after this. Meanwhile, the leaders of the RJD, a major ally of the Grand Alliance, are also uncomfortable with Rahul's statement. Rahul said at the rallies here, "Modi will even dance on stage for votes. Then he will be seen at Ambani's wedding. On one side, Mother Yamuna is flowing, which is polluted. On the other side, water was filled for Narendra Modi. All this was done because Modi had to do theatrics." It is interesting to note that Rahul did not emphasize the issue of vote rigging, which he was initially highlighting. The reason was that Tejashwi Yadav, the Chief Ministerial face of the Grand Alliance and RJD leader, had maintained a 'strategic distance' from this issue. Instead of directly accusing 'vote rigging,' Rahul only mentioned it indirectly, using the pretext of the Constitution, and said that "Modi is appointing RSS people to all positions." Mahagathbandhan's chief ministerial candidate, Tejashwi Yadav, has maintained a strategic distance from the 'SIR' (Special Investigation Report) issue from the very beginning. The RJD leadership understands very well that this issue is not resonating with voters on the ground in Bihar and could distract them from bread-and-butter issues. Meanwhile, Home Minister Amit Shah, at a rally in Begusarai, leveled accusations against Rahul and Tejashwi, calling them protectors of infiltrators. He said, "First, Rahul Gandhi came to hold a 'Save the Infiltrators March'. Should there be infiltrators on Bihar's voter list? Both Lalu and Rahul have become protectors of Bangladeshi infiltrators. But I promise you that I will work to remove every single infiltrator from the land of Bihar." In Patna, Rahul's statement elicited a strong reaction among the general public. Conversations with people revealed that in his attempt to launch a personal and aggressive attack on Modi, Rahul Gandhi indirectly attacked the unwavering faith of the people of Bihar. Just as the 'merchant of death' remark backfired in Gujarat, this statement on Chhath Puja could be suicidal for the Mahagathbandhan. Tejashwi Yadav had painstakingly focused the election on the issue of 'employment', but Rahul's 'political overreach' is not only blunting the edge of that issue but also giving Prime Minister Modi a direct opportunity to remobilize voters on an emotional and religious basis. Modi, by explaining the importance of Chhath Puja in his rallies and directly attacking Rahul, is easily capable of hitting this 'loose ball' out of the park. While Congress leaders are unwilling to comment on this issue, BJP sources say that when Modi responds to Rahul on the Chhath Puja issue in his rallies, it will become clear how big a mistake the Congress leader has made.

सरकार बताए क्यों दी थी सुरक्षा? आजम खां ने फिर कसा तंज; एसटी हसन को उनके मुरादाबाद आने की सूचना नहीं

सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां ने मुरादाबाद का दौरा किया। इस बीच उन्होंने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात की। उनके इस दौरे की पूर्व सांसद एसटी हसन को सूचना नहीं मिली। आजम ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार बताए आखिर उन्हें सुरक्षा क्यों दी गई। सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां ने कहा कि सरकार बताए आखिर उन्हें सुरक्षा क्यों दी थी। उनके पास कोई सुरक्षा नहीं है लेकिन से लिखकर पूछा था कि आखिर इसकी क्या पूरी तरह से दी जाए। रविवार को पूर्व मंत्री बातचीत के दौरान उन्होंने सियासी तंज भी कसे। से ज्यादा कुछ और कहा गया था मगर अब वह चाहते। स्टार प्रचारक बनाए जाने के बावजूद बिहार के जवाब में पूर्व मंत्री ने कहा कि बिहार में खतरे से खाली नहीं। मगर उन्हें उम्मीद है कि मीडिया के माध्यम से ही बिहार के लोगों से रखिए। किसी के बहकावे, जज्बाती नारों या धोखे रहेगी तब तक मुल्क भी महफूज रहेगा। अपने हाजी मो. फहीम, कुंदरकी के पूर्व विधायक हाजी अख्तर और बांग्ला गांव स्थित क्लीनिक में पहुंचे। निधन पर शोक जाहिर किया। इस मौके पर सपा पंचायत सदस्य हाजी उवैश, मो. फैजान, मो. अब्दुल, हारून पाशा, शाहनवाज हुसैन, राबिल कई लोग मौजूद रहे। पूर्व सांसद को नहीं मिली

जब सुरक्षा दी गई थी तो उन्होंने सरकार वजह है। अगर सुरक्षा दी जा रही है तो मुरादाबाद दौरे पर आए थे। मीडिया से उन्होंने कहा कि उन्हें वाई श्रेणी सुरक्षा इस मामले में कुछ ज्यादा नहीं बोलना जाकर प्रचार क्यों नहीं किया इस सवाल जंगलराज है। ऐसे में वहां अकेले जाना बिहार में जंगलराज का अंत होगा। उन्होंने अपील की। कहा लोकतंत्र को बचाकर में मत आइए। जब तक इंसानियत जिंदा दौरे पर पूर्व मंत्री ने बिलारी विधायक मो. रिजवान, कांठ विधायक कमाल यहां उन्होंने अपने करीबी लोगों के जिलाध्यक्ष जयवीर यादव, पूर्व जिला अजीम, वसीम अहमद, अयाज, शोएब, हुसैन और जियाउर रहमान पाशा समेत जानकारी – आजम खां के शहर में होने की जानकारी पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन को नहीं मिली। उन्होंने बताया कि आजम खां के दौरे की उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली। वह शहर से भी बाहर हैं। मालूम हो कि डॉ. एसटी हसन भी आजम खां के करीबी नेताओं में गिने जाते थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में डॉ. एसटी हसन का नामांकन के बाद टिकट कट गया था। इसके बाद से ही वह आजम खां से नाराज चल रहे हैं। हालांकि आजम खां के जेल से रिहा होने के बाद डॉ. एसटी हसन और आजम खां दोनों का लहजा एक दूसरे के लिए नर्म हुआ था। आजम खां ने अपने एक बयान में कहा था कि वह एसटी हसन को उनके घर जाकर मना लेंगे। लेकिन मुरादाबाद दौरे पर आए आजम खां के कार्यक्रम की जानकारी ही पूर्व सांसद को नहीं मिली मुलाकात तो दूर की बात है। इसकी चर्चा सपा कार्यकर्ताओं के बीच भी होती रही।

नगर निगम के नाम पर बनाई अवैध पार्किंग, ट्रकों से वसूली, टीम ने कार्रवाई कर 56 वाहन किए जब्त

मुरादाबाद में नगर निगम के नाम पर अवैध वसूली का खेल चल रहा था। इसके बाद नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए 52 वाहनों को जब्त कर लिया। पुलिस को तहरीर भी दी गई है।मुरादाबाद के ट्रांसपोर्ट नगर में खुलेआम नगर निगम के नाम पर अवैध पार्किंग का संचालन किया जा रहा था जिसपर निगम की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। इस पार्किंग में ट्रकों को खड़ा किया जा रहा था और बदले में निगम की पार्किंग की रसीद भी दी जा रही थी। स्थानीय लोगों को कराई। इसके बाद निगम हरकत में आया और अपर नगर आयुक्त ने अवैध रूप से पार्किंग का संचालन होते हुए पकड़ा और पार्किंग वाले लोग इस बीच फरार हो गए। ट्रक के चालकों ने बताया कि बदले में रसीद भी दी जा रही थी। शिकायतकर्ता मो. हारून ने निगम ऑफिस बुलाया गया और फिर सूचना पक्की कर लेने के बाद ओर से बिना नगर निगम की अनुमति के निजी भूमि पर ट्रक और माध्यम से पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा था। मौके पर मिली रसीद पार्किंग संचालित हो रही थी और अवैध तरीके से लोगों से वसूली

परेशानी हुई तो उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर इसकी शिकायत दर्ज अजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। यहां टीम में खड़ी ट्रकों की चाबियों को जब्त कर लिया। पार्किंग का संचालन करने प्रति ट्रक तीन सौ से पांच सौ रुपये तक की वसूली की जा रही थी और अपनी शिकायत में तमाम जानकारी दी थी। इसके बाद शिकायतकर्ता को कार्रवाई की गई। मौके पर पहुंची टीम ने पाया कि संबंधित व्यक्तियों की वाणिज्यिक वाहनों की अवैध पार्किंग कराई जा रही थी और रसीद बुक के बुक भी जब्त कर ली गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि लंबे समय से यह भी की जा रही थी। टीम ने मौके पर खड़े 56 ट्रकों में से 36 की चाबियां जब्त कर निगम कार्यालय में जमा करा दी। संचालकों से अनुमति पत्र मांगा गया तो वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद नगर निगम ने इस पूरे प्रकरण में संबंधितों के खिलाफ मंझोला थाने में तहरीर दी है। मझोला थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर की जांच की जा रही है। जांच के बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी।

मुरादाबाद से दिल्ली के लिए अब हर घंटे मिलेगी एसी ई-बसें, चालकों- परिचालकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

मुरादाबाद से दिल्ली और मेरठ रूट पर जल्द ही 20 वातानुकूलित ई-बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। इनमें से सात एसी ई-बसें डिपो में पहुंच चुकी हैं जबकि 13 और आने वाली हैं। चालक-परिचालकों को प्रशिक्षण मिलने के बाद हर घंटे दिल्ली रूट पर एक ई-बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। यात्रियों को दिल्ली रूट पर सात एसी ई-बसें आ चुकी हैं। परिवहन निगम के अधिकारियों का लिए 20 वातानुकूलित ई-बसों का संचालन किया जाएगा। इसकी सुविधा मिलेगी। मुरादाबाद डिपो को सात वातानुकूलित ई-बसें में 40 आरामदायक सीटें लगाई गई हैं। यात्रियों, चालकों और लगाए गए हैं। दुर्घटना घटित न हो इसके लिए ई-बसों में सेंसर भी

बस की सुविधा मिलेगी। दिल्ली और मेरठ रूट पर मुरादाबाद से जल्द ही एसी हर एक घंटे में वातानुकूलित ई-बसों की सुविधा मिलेगी। मुरादाबाद डिपो में कहना है कि 13 और एसी ई-बसें आएंगी। मुरादाबाद से दिल्ली और मेरठ के तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ई-बसों के संचालन से लोगों को आरामदायक मिल गई हैं। सभी ई-बसें मुरादाबाद डिपो वर्कशॉप में खड़ी हैं। एसी ई-बसों परिचालकों की निगरानी के लिए हर एक एसी ई-बस में चार-चार कैमरे लगाया गया हैं। मुरादाबाद डिपो के सीनियर फोरमैन गजेंद्र सिंह ने बताया कि एसी ई-बसों को कंपनी के चालकों द्वारा लाया गया है। बाकी बसें जल्द आ जाएंगी। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग में दो दिनों के भीतर एसी ई-बसों का पंजीकरण करा दिया जाएगा। इसके बाद ही बसों का संचालन शुरू होगा। जोया, गढ़, हापुड़ बाईपास, गाजियाबाद बसों का है स्टॉपेज- मुरादाबाद से दिल्ली और हापुड़ रूट पर चलने वाली ई-बसों की अधिकतम रफ्तार 80 किमी प्रतिघंटा है। यह बसें यात्रियों को तीन घंटे के भीतर दिल्ली पहुंचा देंगी। बसों का किराया अभी निर्धारित नहीं गया है। दिल्ली रूट पर चलने वाली ई-बसों का स्टॉपेज जोया, गढ़, हापुड़ बाईपास, गाजियाबाद बनाया गया है। पीतलनगरी डिपो वर्कशॉप में लगाई जा रही चार्जिंग प्वाइंट- एसी ई-बसों को चार्ज करने के लिए पीतलनगरी डिपो वर्कशॉप में एक चार्जिंग प्वाइंट लगा दी गई है। दो चार्जिंग प्वाइंट लगाने का काम चल रहा है। कुल आठ चार्जिंग प्वाइंट लगाई जानी है। ई-बसें एक बार चार्ज होने पर 350 किमी तक चलेंगी। एआरएम फाइनेंस बीएल मिश्रा कहना है कि बसें आनी शुरू हो गई हैं लेकिन अभी तक चार्जिंग प्वाइंट तैयार होना बाकी है। जबतक चार्जिंग प्वाइंट बनकर तैयार नहीं हो जाता तब ई-बसों का संचालन नहीं किया जाएगा। चार्जिंग प्वाइंट और एसी ई-बसों के मरम्मत का काम स्विच मोबिलिटी इलेक्ट्रिक कंपनी की ओर से किया जाएगा। चार दिनों के भीतर कंपनी की टीम आ जाएगी और चार्जिंग प्वाइंट समेत अन्य पर कार्य किया जाएगा। चालकों और परिचालकों को दिया जाएगा प्रशिक्षण एआरएम फाइनेंस बीएल मिश्रा ने बताया कि एसी ई-बसों के चलाने के लिए चालकों और परिचालकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां की जा रही हैं। चालकों और परिचालकों का प्रशिक्षण पूरा होने के बाद ही एसी ई-बसों को रूट पर भेजा जाएगा। आस-पास के जिले में पता किया जाएगा कि किन बस अड्डों पर चार्जिंग प्वाइंट लगाई गई है। इसके बाद उन रूट पर बसों का संचालन कर ट्रायल किया जाएगा।

विश्वकप जीतकर दिलों पर छाईं बेटियां, मुरादाबाद से दीप्ति शर्मा का यह है कनेक्शन, ले रही पुलिस प्रशिक्षण

महिला वर्ल्ड कप फाइनल में दीप्ति शर्मा ने भारत की जीत की नींव रखी और आखिरी विकेट झटकते ही टीम इंडिया चैंपियन बन गई। दीप्ति के इस प्रदर्शन से पूरी पीतलनगरी जश्न में डूब गई। सिविल लाइंस, बुध बाजार, रामगंगा विहार समेत शहर के हर इलाके में आतिशबाजी और भारत माता की जय के नारे गूंजे। लोगों ने सड़कों पर निकलकर जीत का जश्न मनाया। भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा की गेंद जैसे ही हवा में लहराई और साउथ अफ्रीका की बल्लेबाज लारा वूल्फर्ट की गिल्लियां बिखरीं पूरी पीतलनगरी खुशी से गूंज उठा। अगले ही पल गलियों लोगों ने भारत माता की जय के नारे के साथ भारतीय टीम की जीत की खुशियां मनानी शुरू कर दीं। दीप्ति के इस निर्णायक विकेट ने भारत को महिला वर्ल्ड कप का चैंपियन बनने पर लगभग मुहर लगा दिया था। इसके बाद से ही क्रिकेट प्रेमी झूमते हुए नजर आए। इसके बाद जब दीप्ति अगला ओवर लेकर आईं तो उन्होंने साउथ अफ्रीका का आखिरी विकेट भी ले लिया और टीम इंडिया महिला वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार चैंपियन बन गई।इस जीत के बाद ही शहर के सिविल लाइंस, बुध बाजार, रामगंगा विहार, बुद्धि विहार, जिगर कॉलोनी समेत हर इलाका जश्न में झूम उठा। आतिशबाजी से आसमान रोशन हो गया और लोग घरों से निकलकर सड़कों पर आ गए। बच्चे तिरंगा लहराते हुए नजर आए और लोगों ने भारतीय बेटियों की इस जीत पर जमकर जश्न मनाया।रविवार को छुट्टी का दिन होने के चलते लोग मैच शुरू होते ही टीवी स्क्रीन के सामने डट गए थे। मैच का हर ओवर लोगों की धड़कनों को बढ़ा रहा था। जैसे-जैसे भारतीय टीम आगे बढ़ी और मैच उतार-चढ़ाव के दौर से होता हुआ भारतीय टीम की मुट्ठी में आना शुरू हुआ शहरवासियों का उत्साह भी बढ़ गया।जैसे ही टीम ने जीत दर्ज की शहर की गलियों में मानो उत्सव का सैलाब उमड़ पड़ा। क्रिकेट कोच दानिश मिर्जा ने कहा कि महिला टीम ने अपने जज्बे से इतिहास रचा है। दीप्ती शर्मा, शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा और हरमनप्रीत कौर जैसी खिलाड़ियों ने पूरे देश को गर्व महसूस कराया और झूमने पर मजबूर कर दिया।दीप्ति के ऑलराउंड प्रदर्शन ने बनाया भारत को विश्व चैंपियन शहरवासियों के लिए रविवार का दिन दोहरी खुशी लेकर आया। पहली खुशी भारतीय टीम के विश्व विजेता बनने की रही तो दूसरी खुशी के रूप में खुद मुरादाबाद का कनेक्शन रहा। टीम को विश्व विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली दीप्ति शर्मा मुरादाबाद में ही पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण ले रहीं हैं। दीप्ति शर्मा ने अपने ऑलराउंड खेल से मैदान पर कमाल कर टीम को चैंपियन बनाया।उन्होंने पहले बल्ले से 58 रन ठोककर भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया फिर गेंद से ऐसी लय पकड़ी कि पूरे मैच का रुख पलट गया। भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाली दीप्ति शर्मा प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुनी गईं। भारत की पारी जब लड़खड़ा रही थी तब दीप्ति ने अपनी जुझारू बल्लेबाजी से टीम को संभाला। मिडिल ऑर्डर में उनकी पारी ने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने की बुनियाद रखी।बल्लेबाजी के बाद जब गेंदबाजी की बारी आई तो दीप्ति ने अपनी रफ्तार और सटीक लाइन से साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजों की नींद उड़ा दी। उन्होंने 9.3 ओवर में 39 रन देकर पांच अहम विकेट चटकाए। सबसे महत्वपूर्ण विकेट उन्होंने उस वक्त लिया जब मैच भारत के हाथों से फिसलता नजर आ रहा था।

संक्षिप्त समाचार

शादी का झांसा दे बनाए संबंध, गर्भवती होने पर किया इनकार, केस दर्ज होते ही पंचायत बैठी और करना पड़ा निकाह

अमरोहा में युवक ने शादी का झांसा देकर युवती से संबंध बनाए। उसके गर्भवती होने पर शादी से इनकार कर दिया। युवती ने युवक और अन्य के खिलाफ केस दर्ज करवाया तो पंचायत बैठी। इसके बाद दोनों का निकाह करवा दिया। किसान की बेटी को प्रेम प्रसंग में फंसाया और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। युवती गर्भवती हो गई तो शादी से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं पिता व भाई के साथ मारपीट भी की। पीड़िता ने केस दर्ज कराया तो चंद घंटे के बाद ही प्रेमी व उसके परिजनों ने निकाह के लिए हामी भर दी। देर रात दोनों का निकाह करा दिया गया। दुल्हन बनी प्रेमिका ने अब मामले में कार्रवाई करने से इन्कार कर दिया है। डिडौली क्षेत्र के एक गांव निवासी किसान की बेटी को पास के एक गांव निवासी युवक प्रेम-प्रसंग में फंसाने के बाद मिलने लगा।तीन माह पहले युवती का परिवार चेहल्लुम देखने गया तो युवक घर में घुस आया और शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में युवती से किनारा करने लगा। दो महीने बाद युवती की अचानक तबीयत खराब हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे तो पता चला कि वह गर्भवती है। इसके बाद युवती ने परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद पीड़िता के पिता और भाई ने आरोपी के घर जाकर शादी की बात की तो उसके परिजन भड़क गए। इसके बाद 18 अक्तूबर शाम सात बजे फिर पीड़िता के पिता और भाई फिर आरोपी युवक के घर पहुंचे और उसके परिजनों को बात की। आरोप है कि इस दौरान आरोपी युवक ने अपने परिजनों के साथ मिलकर उनके साथ गाली-गलौज की और धमकी देकर भगा दिया। इसके बाद पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर प्रेमी समेत चार के खिलाफ केस दर्ज करा दिया। केस दर्ज होने के चंद घंटे के बाद दोनों परिवारों की पंचायत बैठी और निकाह की सहमति बन गई। जिसके बाद प्रेमी युगल का निकाह कर दिया। सीओ सिटी शक्ति सिंह ने बताया कि जानकारी मिली है कि दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली युवती ने आरोपी प्रेमी के साथ निकाह कर लिया है। उनके बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोहरे से ढकी रही सुबह, ठंड ने दी दस्तक...वाहनों की धीमी रही रफ्तार

नवंबर में पहले दो दिन की सुबह कोहरे की चादर से लिपटी रही। घने कोहरे की धुंध के बीच लोग सुबह अपने कार्यस्थल व बच्चे शिक्षण संस्थाओं को गए। हाईवे व मुख्य मार्गों पर वाहनों के हेडलाइट जलाकर लोग चले। वाहनों की रफ्तार पर भी ब्रेक रहा। नवंबर के

पहले दिन के बाद दूसरे दिन रविवार की सुबह भी घना कोहरा छाया रहा। इसके चलते दृश्यता काफी कम रही। चंद कदमों की दूरी पर साफ नहीं दिख रहा था। हाईवे व मुख्य सड़कों पर इसके चलते वाहन रेंग कर चलते रहे। पूरे दिन बादलों के साथ कोहरे की धुंध छाई रही। यातायात पुलिस भी वाहन चालकों को सुबह गति नियंत्रित कर चलने की सलाह देती रही। हाईवे पर कई जगह बड़े वाहनों के चालकों को धुंध के चलते रास्ता पूछने की भी नौबत आई। कोहरे के चलते मौसम में ठंड बढ़ी। कई लोग सुबह ऊनी या मोटे गर्म कपड़ों में दिखे।रविवार को मौसम में नमी बढ़ने के चलते अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। सोमवार को न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस और कम होकर 18 डिग्री सेल्सियस पर आने का अनुमान जताया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सेन्ट्रल गुरुपर्व 4 एवं 5 को बरेली कॉलेज बरेली के हॉकी ग्राउंड पर मनाया जाएगा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जगतगुरु साहिब श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में हर साल की भांति सेंट्रल गुरु पर्व कमेटी 4 एवं 5 नवंबर को बरेली कॉलेज बरेली के हॉकी ग्राउंड पर सेन्ट्रल गुरुपर्व एवं समूह संगत के सहयोग से मनाया जा रहा है। जिसमें पंथ प्रसिद्ध कीर्तनी जत्थे व कथा वाचक संगत को गुरबाणी कीर्तन से निहाल करेंगे। गुरु नानक साहिब केवल सिखों के ही नही अपितु समूचे जगत के गुरु हैं । इस कार्यक्रम में गुरु साहिब की शिक्षाओं को समझने के लिए समागम में विशेष रूप से कीर्तनी व प्रचारक पहुंच रहें हैं। यह जानकारी कमेटी के कमेटी के महासचिव हरप्रीत सिंह खालसा ने प्रेस वार्ता में दी । कमेटी अध्यक्ष परमजीत सिंह ओबेरॉय ने समूह संगत को इस प्रोग्राम में बढ़ चढ़कर शामिल होने की अपील की एवं धन्यवाद किया । इस बार विशेष तौर पर भाई इंद्रजीत सिंह, डॉ अलंकार सिंह, भाई हरविंदर सिंह गंगानगर वाले भाई हरप्रीत सिंह के प्रोग्राम में हाजरी भरने पहुंच रहें हैं । इस प्रेस वार्ता में स परमजीत सिंह ओबरॉय स हरप्रीत सिंह स दलबीर सिंह, स देवेंद्र सिंह, सतवंत सिंघ, परमजीत सिंघ दुआ, मंजीत सिंह नागपाल, सिख मिशनरी कॉलेज के जोनल ओर्गनइजेर मनमीत सिंह, गुरमीत सिंह मनचंदा , हरप्रीत सिंह बिंद्रा एवं शहर के सभी कमेटियों के पदाधिकारी शामिल रहे ।

11 से 15 नवम्बर तक पी0एम0 राजकीय इण्टर कॉलेज में आयोजित होगी प्रतियोगिता

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता को सफल बनाये जाने की रणनीति तैयार करने के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता के अन्तर्गत अण्डर-17 आयु वर्ग के बालक/बालिकाओं की राष्ट्रीय विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। बैठक में अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय विद्यालयी वॉलीबॉल प्रतियोगिता दिनांक 11 नवम्बर से 15 नवम्बर 2025 तक आयोजित की जाएगी।44 टीम बालकों की एवं 44 टीम बालिकाओं की प्रतियोगिता में शामिल होंगी, प्रत्येक टीम के लिए लाइजनिंग ऑफिसर तैनात किए जा रहे हैं। लगभग 1056 प्रतिभागी शामिल होंगे। 06 नवम्बर तक खिलाड़ी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। बैठक में वॉलीबॉल प्रतियोगिता को बेहतरीन और सफल बनाने के लिये विस्तार से चर्चा की गयी, जिसके अन्तर्गत खिलाड़ियों के आवास व्यवस्था, भोजन की व्यवस्था, पीने के पानी, चिकित्सा एवं सुरक्षा, परिवहन की व्यवस्था, टेंट, खिलाड़ियों हेतु उपहार, लाइव स्ट्रीमिंग, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, ट्रॉफी, मेडल, मोमेंटों, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अतिथियों का स्वागत, मंच की साज-सज्जा आदि की विस्तार से समीक्षा की गयी और सम्बंधित अधिकारियों को व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आयोजन स्थल पर अग्नि से सुरक्षा हेतु फायर बिग्रेड, आयोजन के दौरान सुचारू विद्युत व्यवस्था हेतु विद्युत विभाग, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी, पुलिस सुरक्षा, आयोजन स्थल तक जाने वाले मार्ग का दुरुस्तीकरण, मोबाइल टॉयलेट, पानी के टैंकर, एम्बुलेंस, बस पार्किंग की व्यवस्था, खेल मैदान का समतलीकरण, सफाई कर्मियों की उपलब्धता आदि की समुचित व्यवस्था की जाये। बैठक में प्रतिभागी बच्चों को स्थानीय स्तर के दर्शनीय स्थल को घुमाने, खाद्य सुरक्षा अधिकारी को भोजन की गुणवत्ता की जांच कराने, नगर निगम एवं विद्युत विभाग को ग्राउंड पर अच्छी विद्युत व्यवस्था हेतु विद्युत पोल अस्थायी रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, साथ ही आयोजन का आगाज और समापन कार्यक्रम भव्य तरीके से आयोजित कराए जाने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक यातायात मो0 अकमल खान, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, संयुक्त निदेशक शिक्षा, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला सूचना अधिकारी सहित समस्त सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

करनपुर-रतुपुरा मार्ग पर रविवार को हुई सड़क दुर्घटन के अज्ञात वुजुर्ग की हुई शिनाख्त

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी क्षेत्र में करनपुर-रतुपुरा मार्ग पर रविवार सुबह एक ईंट लदी ट्रैक्टर ट्रॉली और ई-रिक्शा में टक्कर गई थी । हादसे में दो लोग मारे गए जबकि तीन लोग घायल हुए थे । अज्ञात शव की शिनाख्त दूसरे दिन अहसान के रूप में हुई डिलारी क्षेत्र करनपुर में हुए सड़क हादसे के शिकार अज्ञात वुजुर्ग व्यक्ति की शिनाख्त अहसान उम्र 65 निवासी पृथ्वीगंज थाना ठाकुरद्वारा के रूप में मृतक के पुत्र इमरान ने मोबाइल पर वायरल हो रहे फोटो से की । इमरान ने बताया वह अपने घर से शनिवार को नन्हूवाला गांव में शादी में शिरकत करने के निकले थे। वहां से मलकपुर सैमली में खाला के घर महमानदारी कर रही मां जरीफा को बुलाने के लिए निकले थे। इमरान ने अपने मौसेरे भाई नाजिम निवासी मलकपुर फोन कर पूछा की अब्बा आए हैं। उसने मना किया और कहा कि कल एक करनपुर में एक्सीडेंट हुआ है उसमें जानकारी करो। मौसरे भाई के द्वारा भेजी गई फोटो देख दिल दहल उठा ।घटना की जानकारी मिलने पर पूरे परिवार में कोहराम मंचा हुआ था। पोस्टमार्टम के उपरांत गहरे गम के माहौल में उनका सुपुर्द ए खाक किया गया ।

मिट्टी से दबा मिला युवक का शव, सात दिन से था लापता; हत्या का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली के शाही थाना क्षेत्र में मेले से लापता हुए गांव सेवा ज्वालापुर निवासी वीरेंद्र कुमार (24 वर्ष) का शव सात दिन बाद रविवार को खेत में दबा मिला। शव सड़ा-गला होने की वजह से जूतों व कपड़ों से पहचान हुई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। सेवा ज्वालापुर गांव निवासी चुन्नीलाल ने थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार बिश्नोई को बताया कि उनका सबसे बड़ा बेटा वीरेंद्र कुमार 27 अक्तूबर की रात बसावनपुर ब्रह्मदेव स्थल पर लगे दीपावली मेले में गया था। देर रात तक न लौटने पर उसकी तलाश शुरू की गई। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चल पाया। हत्या के बाद शव दबाने का आरोप - जानकारी पर परिजन भी पहुंच गए। जूते व कपड़ों से युवक की पहचान वीरेंद्र कुमार के रूप में हुई। परिजनों ने आरोप लगाया कि हत्या करने के बाद शव को यहां दबाया गया है। परिजनों ने बताया कि वीरेंद्र चार भाई और एक बहन में सबसे बड़ा था। वह हल्द्वानी में रहकर मजदूरी करता था। इन दिनों गांव आया हुआ था। सूचना पर फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पिता चुन्नीलाल और चचेरे भाई पुष्पेंद्र ने बताया कि वीरेंद्र की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। तब रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

मिट्टी में दबा मिला शव

डीएम ने बरेली के तहसील नवाबगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस में समस्याओं का किया निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जनपद बरेली की तहसील नवाबगंज के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस (तहसील दिवस) का आयोजन हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग, अवैध कब्जा, पैमाइश, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पूर्ति विभाग, चकबंदी विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त हुई, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गंभीरतापूर्वक ससमय निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता दर्शन, सम्पूर्ण समाधान दिवस(तहसील दिवस) एवं समाधान दिवस (थाना दिवस) मा0 मुख्यमंत्री जी की सर्वोच्च प्राथमिकता में से एक है। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त अधिकारी सम्पूर्ण समाधान दिवस में अवश्य आए और जो भी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं उनका त्वरित निस्तारण भी करें। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईजीआरएस में प्राप्त हो रही शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत करें इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए साथ ही शिकायत कर्ता निस्तारण से संतुष्ट हो इसलिए बात का विशेष रूप से ध्यान रखा जाये। उक्त के अतिरिक्त जिलाधिकारी ने रबी-2025 के अंतर्गत तिलहनी फसलों के क्षेत्रफल में वृद्धि हेतु गन्ने के साथ सहफसली खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषकों को सरसों के निशुल्क मिनी किट वितरित किए। समाधान दिवस में कुल 193 शिकायतें प्राप्त हुई। समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी नवाबगंज उदित पवार, उप जिलाधिकारी न्यायिक निधि शुक्ला, जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महाद्वादशी के पावन दिन श्री हरि मंदिर में पताका हुआ ध्वजारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / पावन कार्तिक मास में आज 3 नवंबर को महा द्वादशी के पावन दिन श्री हरि मंदिर की प्राचीर पर ध्वजारोहण हुआ। हर वर्ष की भांति पूज्य पंडित रमेश तिवारी वा सुनील शास्त्री द्वारा ध्वजा का विधिवत पूजन कराया गया। उस से पूर्व महिला मण्डल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा वा उपाध्यक्ष कंचन अरोरा की अगुआई में महिला मण्डल की सदस्यों वा अन्य भक्तजनों द्वारा मंगल गीत गाए गए वा भजनों के माध्यम से अपनी अपनी हाजरी लगाई गई। प्रबंध समिति द्वारा सभी भक्तजनों पर पुष्प वर्षा की गई। पूज्य पंडित जी द्वारा हिन्दू संस्कृति के अनुसार ध्वज पूजन कराया गया । मुख्य पुजन सुशील अरोड़ा, रवि छाबड़ा, वा अन्य कमेटी के सदस्यों अश्वनी ओबेरॉय,संजय आनन्द, गोविन्द तनेजा,रंजन कुमार, योगेश ग्रोवर,अनिल चड्ढा,कुल संजीव राय, हरीश लुनियाल द्वारा किया गया वा समस्त महिला मण्डल भी उपस्थित रहा। ध्वज पूजन के उपरान्त सचिव रवि छाबड़ा ने ध्वज ले कर अन्य भक्तजनों से साथ मंदिर की परिक्रमा की और ध्वज को मंदिर की प्राचीर पर स्थापित किया। इस अवसर पर प्रबंध समिति द्वारा आतिशबाजी का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुशील अरोड़ा वा रवि छाबड़ा द्वारा सभी भक्तजनों को महा द्वादशी पर्व और ध्वजारोहण की बहुत बहुत बधाई दी गई अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

घरवाली..घरवाला और बाहरवाला: प्रेम विवाह करने वाले पति ने पत्नी को प्रेमी के साथ पकड़ा, महिला ने छोड़ दी दुनिया

यह मामला यूपी के अमरोहा स्थित डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव का है। यहां पर किसान का परिवार रहता है। बीटेक की पढ़ाई करने वाली किसान की बेटी ने क्षेत्र के गांव तोफापुर निवासी युवक से दो साल पहले प्रेम विवाह कर लिया था। इसके बाद परिवार के लोगों ने भी इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया।दो साल पहले प्रेम विवाह करने वाले पति ने पत्नी को उसके प्रेमी के साथ रेलवे स्टेशन घूमते हुए पकड़ लिया। दोनों का प्रेम प्रसंग चल रहा था और भागने की फिराक में थे। प्रेमी के साथ पकड़े जाने के बाद महिला ने लोकलाज की वजह से चूहे मारने वाला जहर खाकर जान दे दी। परिजनों ने महिला को अस्पताल में भी भर्ती कराया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दो साल पहले किया था लड़की ने प्रेम विवाह- यह मामला यूपी के अमरोहा स्थित डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव का है। यहां पर किसान का परिवार रहता है। बीटेक की पढ़ाई करने वाली किसान की बेटी ने क्षेत्र के गांव तोफापुर निवासी युवक से दो साल पहले प्रेम विवाह कर लिया था। इसके बाद परिवार के लोगों ने भी इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया। लेकिन, प्रेम विवाह करने के कुछ दिन बाद महिला की फेसबुक पर बिहार के युवक से दोस्ती हो गई। बिहार का युवक भी बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। पति ने पत्नी के फोन में अपलोड कर दिया था एक एप फेसबुक पर ही एक दूसरे का नंबर लेकर दोनों फोन पर बात करने लगे। पति को शक हुआ तो उसने महिला के मोबाइल में एक सॉफ्टवेयर अपलोड कर दिया और उसकी हर एक गतिविधि की जानकारी रखने लगा। पुलिस के मुताबिक रविवार को महिला अपने प्रेमी के साथ एक होटल में गई और इसके बाद दोनों रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए। चर्चा है कि दोनों को घर छोड़कर भागने का प्लान था। इसके बाद पीछे से पहुंचे पति ने दोनों को रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर पकड़ लिया। लोकलाज के कारण पत्नी ने खाया जहर- प्रेम कहानी की हकीकत पति को पता चलने के बाद लोकलाज की वजह से महिला ने जहर खा लिया। जानकारी मिलते ही महिला के परिजन मौके पर पहुंच गए। बाद में महिला को चौधरपुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच पड़ताल की। लड़की के पिता ने नहीं की पुलिस से कोई शिकायत डॉक्टर के मुताबिक महिला ने चूहे मारने वाला जहर खाया था। फिलहाल, पुलिस ने बिहार के रहने वाले महिला के प्रेमी को हिरासत में ले लिया है। वहीं, महिला के पिता ने किसी पर भी कोई आरोप नहीं लगाया है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मान समारोह में डॉ. मधुकर सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। के0बी हिंदी सेवा न्यास, बिसौली, बदायूं के तत्वावधान में आर0के0 इंटरनेशनल स्कूल, बिसौली में आयोजित ग्यारहवें अन्तर्राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन संस्थापक/अध्यक्ष डॉ. सतीश चंद्र शर्मा %सुधांशु% के संयोजन में किया गया। जिसमें बरेली के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. महेश %मधुकर% को हिंदी साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए %सुहागवंती सेठी स्मृति- गीत श्री% सम्मान से विभूषित किया गया। उक्त सम्मान सुप्रसिद्ध समीक्षक डॉ. नितिन सेठी की दादी की पुण्य स्मृति में दिया गया सम्मान स्वरूप अंग वस्त्र, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न एवं नकद धनराशि मंच द्वारा प्रदान की गई। डॉ. मधुकर की इस उपलब्धि पर संस्कार भारती ब्रज प्रांत बरेली महानगर अध्यक्ष उपमेन्द्र सक्सेना एडवोकेट एवं कवि गोष्ठी आयोजन समिति के अध्यक्ष रणधीर प्रसाद गौड़ %धीर% आदि ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है।

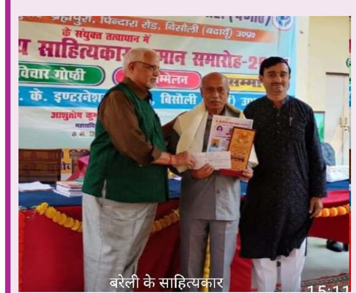

12 किमी की परिधि में ही बनाए जाएंगे परीक्षा केंद्र

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के लिए केंद्र निर्धारण की नीति जारी कर दी है। इसके तहत सीसीटीवी कैमरों से लैस विद्यालय ही परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक कर ली जाएगी। केंद्र निर्धारण के लिए इस बार कई नए मानक भी तय किए गए हैं। जिन विद्यालयों में शिक्षकों व विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था हैं उन्हें केंद्र निर्धारण में वरीयता दी जाएगी। इसके लिए 10 अंक भी तय किए गए हैं। जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या अधिक है, उन्हें भी केंद्र निर्धारण में वरीयता दी जाएगी। प्रधानाचार्य कक्ष से अलग दोनों ओर सीसीटीवी कैमरों से युक्त सुरक्षित स्ट्रांग रूम में प्रश्न पत्रों को रखने के लिए चार डबल लॉक के बॉक्स होंगे। इसी के साथ उत्तर पुस्तिकाओं को रखने के लिए भी अति सुरक्षित स्ट्रांग रूम होगा। मानक के अनुसार, प्रवेश द्वार व सभी प्रमुख स्थलों, सभी कक्षाओं के बाहर व अंदर सीसीटीवी कैमरे वाइस रिकॉर्डिंग वाले लगे होनेंम चाहिए। ये कैमरों बोर्ड एवं प्रशासन के कंट्रोल रूम से भी जुड़े होंगे। परीक्षा केंद्र 12 किमी की परिधि में होने चाहिए। परीक्षा केंद्र बनाए जाने वाले विद्यालयों का भौतिक सत्यापन जिला व तहसील स्तर पर गठित समिति करेगी।

1.35 करोड़ रुपये निवेश करवाकर हड़पी रकम, तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। बीमा कंपनी की महिला एजेंट के जरिये कैनविज कंपनी में 1.35 करोड़ निवेश कर हड़प लिए। सदमे में आई पीड़ित महिला को दिल का दौरा पड़ चुका है और उसका इलाज चल रहा है। महिला की शिकायत पर बारादरी थाने में कंपनी संचालक समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जाटवपुरा महावीर एन्क्लेव निवासी मीरा गुप्ता ने बताया कि वह बीमा कंपनी की एजेंट हैं। माडल टाउन निवासी कन्हैया गुलाटी, उसके साथी हरेंद्र पटेल व जगतपाल ने अपनी कंपनी कैनविज एसोसिएट्स में 1 करोड़ 35 लाख रुपये निवेश कराए थे। निवेश रकम पर पांच प्रतिशत प्रति माह ब्याज देने का वादा किया गया था लेकिन कंपनी ने ब्याज और मूल रकम नहीं दी। 1 करोड़ 35 लाख रुपये भी धोखाधड़ी कर हड़प लिए। हड़पी गई रकम में परिचित निवेशकों के अलावा मीरा गुप्ता के 39 लाख रुपये भी हैं। मीरा ने मकान गिरवी रखकर रकम निवेश की थी। लोन की किस्त जमा न होने पर मकान बेचने की नौबत आ चुकी है। मीरा को अवसाद के कारण दिल का दौरा पड़ चुका है। बारादरी थाना के इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि मीरा गुप्ता की तहरीर पर बारादरी थाने में मामला दर्ज कराया गया है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक हुई।

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह अध्यक्षता मे गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक गांधी सभागार का आयोजन किया गया। बैठक मे चीनी मिलो का संचालन, गन्ना क्रय केन्द्रो की स्थापना व संचालन, यातायात व्यवस्था, गन्ना तौल, इंडेंट निर्गमन एवं अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। सभी चीनी मिलो ने संचालन की तिथि घोषित कर दी है। एल एच चीनी मिल 07 नवंबर, बरखेड़ा चीनी मिल 10 नवंबर, बीसलपुर चीनी मिल 22 नवंबर एवं पूरनपुर चीनी मिल 17 नवंबर से चलेगी। खुशी राम भार्गव जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि जनपद की सभी चीनी मिलो के लिये गन्ना सुरक्षण आदेश गन्ना आयुक्त उत्तर प्रदेश के स्तर से जारी किया जा चुका। सभी चीनी मिलो को आदेश जारी होने के 15 दिन के अंदर क्रय केन्द्रो को लगाना है। किसी भी क्रय केंद्र के स्थान मे कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा। सबसे पहले एल एच चीनी मिल चलने जा रही है जिसका इंडेंट 04 नवंबर 2025 को जारी किया जायेगा। चूंकि यह चीनी मिल शहर मे है इसलिए गन्ना यातायात की ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये कि पब्लिक को कोई परेशानी न हो। नो एंट्री का कड़ाई से पालन किया जाये। गन्ना दुलाई मे लगे सभी वाहनों पर दुर्घटना से बचने के लिये रिफ्लेक्टर लगाये जाये स ट्रको पर पीछे लाल कपड़ा 2म2 मीटर के साइज मे लगाया जाये। जिलाधिकारी द्वारा नोबेल शुगर बरखेड़ा के प्रबंध निदेशक को निर्देश दिये कि वह यार्ड की व्यवस्था करे स कोई भी वाहन सडक पर न खड़ा किया जाये। सभी चीनी मिले समय से क्रय केंद्र स्थापित करे तथा सभी क्रय केन्द्रो पर पेयजल की व्यवस्था करे। बैठक मे वीरेंद्र सिंह ए आर टी ओ, विजय वर्धन तोमर सिटी मजिस्ट्रेट, दीपक चतुर्वेदी सी ओ सिटी, सी ओ ट्रैफिक, राघवेंद्र सिंह टी यस आई, राजेश चैधरी अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग,सभी चीनी मिलो के प्रतिनिधि, सभी सचिव एवं ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक ने प्रतिभाग किया।

शिवपुरी में पं. श्री धिरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी (श्री बागेश्वर धाम सरकार) की कथा का होगा भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी, ब्यूरो। धर्म और अध्यात्म की पावन नगरी शिवपुरी में आगामी दिनों में एक भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। पं. श्री धिरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी (श्री बागेश्वर धाम सरकार) के पावन मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ 24 नवम्बर से 30 नवम्बर 2025 तक किया जाएगा। इससे पूर्व 23 नवम्बर 2025 को प्रात: 8 बजे भव्य कलश यात्रा का आयोजन होगा, जो माँ राज राजेश्वरी मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल तक निकलेगी। कथा स्थल– नर्सरी ग्राउंड, हवाई पट्टी के पीछे, झांसी रोड, शिवपुरी (म.प्र.) सात दिनों तक चलने वाली यह पावन कथा शिवपुरी की भूमि को भक्ति, श्रद्धा और अध्यात्म से सराबोर करेगी। इस आयोजन की तैयारियाँ जोरों पर हैं और श्रद्धालुओं में अत्यंत उत्साह देखा जा रहा है। आयोजक रामप्रकाश कपिल गुप्ता (अमोला वाले) ने सभी नगरवासियों से अपील की है कि वे सपरिवार इस धार्मिक अनुष्ठान में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

जंगली हाथी ने 58 वर्षीय किसान को कुचलकर मार डाला

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत के ढकिया तालुके महराजपुर गाँव में रविवार को एक 58 वर्षीय किसान को नेपाल से आए एक जंगली हाथी ने कुचलकर मार डाला। पीड़ित पुन्नू मंडल अपनी झोपड़ी में सो रहा था, तभी लगभग एक दर्जन हाथियों का एक झुंड इलाके में घुस आया और फसलों और संपत्ति को नुकसान पहुँचाया। वन अधिकारियों के अनुसार, हाथियों में से एक ने मंडल की झोपड़ी को तहस-नहस कर दिया, जबकि झुंड ने लगभग 15 से 20 एकड़ में फैली गन्ने, सोयाबीन, केले और चारे की खड़ी फसलों को तहस-नहस कर दिया। हाल के हफ्तों में इस इलाके में इस तरह की यह दूसरी घटना है। 24 अक्टूबर को, नेपाल से आए दो हाथियों ने उझानिया गाँव में 30 वर्षीय किसान श्याम लाल को उस समय गंभीर रूप से घायल कर दिया जब वह अपनी फसल बचाने की कोशिश कर रहा था। बाद में हाथी पीलीभीत जिले के गुनहान, गोरख डिब्बी और थारू बस्ती सहित पड़ोसी गांवों की ओर चले गए, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई। ग्राम प्रधान विवेकानंद सरकार ने कहा, अधिकांश ग्रामीणों के खेत शारदा नदी के उस पार हैं, जबकि उनके घर दूसरी ओर हैं। चूंकि वहां कोई पुल नहीं है, इसलिए ग्रामीण, वन कर्मचारी और पुलिस सूर्योदय के बाद ही घटनास्थल पर पहुंच सके, जब नावें चलनी शुरू हुईं। रात के समय, दूसरी तरफ़ के स्थानीय लोगों ने आग जलाकर और बर्तन बजाकर हाथियों को भगाने की कोशिश की। लोग डरे हुए हैं। हम जंगली हाथियों के बार-बार हमलों का सामना कर रहे हैं, फिर भी वन अधिकारियों ने कोई प्रभावी सुरक्षा उपाय नहीं किया है।ग्रामीणों ने अब बचाव के लिए पटाखे खरीद लिए हैं और झुंड की वापसी पर नजर रखने के लिए रात में जागने का फैसला किया है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) के फील्ड डायरेक्टर रमेश चंद्र ने बताया कि हाथियों की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए वन विभाग की टीमें तैनात कर दी गई हैं। उन्होंने बताया, मृतक के परिवार को ?5 लाख का मुआवज़ा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। उत्तर प्रदेश की मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक अनुराधा वेमुरी ने कहा कि सीमा पार वन्यजीवों की आवाजाही पर समन्वय बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हम भारत-नेपाल समन्वय समिति के माध्यम से नेपाल और भारत के बीच एक संचार प्रणाली स्थापित करने का प्रयास करेंगे ताकि जंगली जीवों के सीमा पार प्रवास के बारे में सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हो सके।

जंगली हाथी का आतंक चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

धान की फसल तैयार थी, रातभर खेतों में घूमकर हाथी ने मचाई तबाही, किसान निराश

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के ग्रामीण इन दिनों जंगली हाथी के आतंक से परेशान हैं। बताया जा रहा है कि गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क क्षेत्र से भटककर आया एक दतैल हाथी (एकल नर हाथी) पिछले कई दिनों से मोहरसोप, आकधान और आसपास के गांवों में उत्पात मचा रहा है। रात ढलते ही यह हाथी खेतों में घुस जाता है और पकी हुई धान की फसल को रौंदकर या खाकर पूरी तरह चौपट कर देता है। किसान अब अपनी सालभर की मेहनत को बर्बाद होता देख लाचार हैं। किसानों की मेहनत पर संकट ग्रामीण किसान (नाम डाल सकते हैं= जैसे – हेमराज, मोहनलाल आदि) बताते हैं कि 卐धान की फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थी, लेकिन हाथी रातभर खेत में घूमकर सब बर्बाद कर गया। अब खेत में केवल टूटे और गिरे पौधे बचे हैं। हम लोग रातभर पहरा दे रहे हैं, लेकिन अकेले कुछ नहीं कर पा रहे। एक अन्य किसान ने बताया कि पहले भी इस क्षेत्र में हाथियों का झुंड आता था, लेकिन इस बार अकेला दतैल हाथी है, जो किसी भी आवाज़ या रोशनी से नहीं डरता। दो विभाग लेकिन जिम्मेदारी कौन ले? स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यहां दो विभाग कार्यरत हैं – वन विभाग गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन विभाग लेकिन दोनों ही विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। वन विभाग कहता है कि यह पार्क क्षेत्र का मामला है, वहीं राष्ट्रीय उद्यान कर्मचारी कहते हैं कि हाथी गांव सीमा में प्रवेश कर गया है, इसलिए कार्रवाई वन विभाग करे। इस आपसी खींचतान में नुकसान किसानों को झेलना पड़ रहा है। ग्रामीणों की मांग ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से मांग की है कि– हाथी को जंगल क्षेत्र में सुरक्षित भगा दिया जाए। फसलों का तत्काल सर्वे कर किसानों को मुआवजा दिया जाए। गांवों में रात्रि गश्ती दल बनाया जाए ताकि आगे और नुकसान न हो। डर के साए में जीवन मोहरसोप, आकधान और आसपास के गांवों के लोग अब डर के साए में जी रहे हैं। रात में कोई भी खेतों के पास नहीं जाता। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही हाथी को नहीं पकड़ा गया तो कभी भी जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बसों में माल परिवहन व छत पर ओवरलोडिंग की शिकायतों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत अमरिया= एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बसों में माल परिवहन व छत पर ओवरलोडिंग की शिकायतों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया; 3 बसें सीज, 2 पर चालान, 72,000 जुर्माना वसूला। पीलीभीत जिले के अमरिया क्षेत्र में 3 नवंबर को दिल्ली, जयपुर व अन्य राज्यों को जाने वाली बसों में माल ढोने व छत पर अत्यधिक सामान लादने की बढ़ती शिकायतों का संज्ञान लेते हुए एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने सघन चेकिंग अभियान शुरू किया द्य अधिकारी के साथ मिलकर मार्गों पर गुजर रही बसों की जांच की गई – 3 बसों में अंदर व ऊपर अधिक मात्रा में सामान (कपड़े, बोरे) पाया, जो यात्री वाहनों की क्षमता से बाहर व परमिट शर्तों का उल्लंघन था। इनमें से 1 बस को थाना अमरिया में व 2 को थाना गजरौला में सीज कर दिया गया। इसी तरह सुरक्षित परिवहन निर्देशों के उल्लंघन पर 2 अन्य बसों के खिलाफ चालान की कार्रवाई हुई। कुल 5 बसों पर एक्शन से 72,000 रुपये प्रशमन शुल्क वसूला गया। यह अभियान जिले के ट्रैफिक सुरक्षा को मजबूत करने का हिस्सा है।

पानी की निकासी न होने पर गांव वालो ने प्रार्थना पत्र दिया मामला कोंच के ग्राम अंडा का है

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन) कोंच तहसील के ग्राम अंडा गांव वालो ने सोमवार को कोंच के

प्रभारी तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल को एक प्राथना पत्र देते हुए बताया की ग्राम में स्थित तालाब का पानी निकालने के लिए नाला निकला हुआ था वह नाला अब अवरुद्ध हो गया है इसके कारण ग्राम में पानी भरा रहता है जब बारिश होती है तो पानी अधिक जल भराव के कारण पूरे ग्राम एवं उपजाऊ जमीन में भरा रहता है जिससे काफी नुकसान होता है ऐसी स्थिति में नाला खुलवाना अति आवश्यक है तालाब के अगल-बगल अनुसूचित जाति के व्यक्ति भी रहते हैं जिनको वहां से निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और नाले पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण भी कर लिया है इसके संबंध में पूर्व में भी कई शिकायती पत्र दिए जा चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है ग्राम वासियों ने तहसीलदार से समस्या के अति शीघ्र निस्तारण किए जाने की मांग की है इस अवसर पर गौतम वर्मा संतराम अमित कुमार बलवीर सिंह सुरेश कुमार वर्मा राजू वर्मा गोल्डी सहित तमाम ग्रामवासी मौजूद रहे।

साइबर अपराधी आधुनिकता का गलत फायदा उठाकर लोगों से कर रहे धोखाधड़ी, जागरूकता से बचाव है संभव।

सूरजपुर पुलिस के साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम से लोगों में बढ़ी साइबर जागरूकता।

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। आज का दौर डिजिटल है, आधुनिकता के दौर में पैसा ट्रांसफर करना और मंगाना अब काफी सरल हो गया है किन्तु साइबर अपराधी इसी आधुनिकता का गलत फायदा उठाकर लोगों को झांसे में लेकर उनकी मेहनत की कमाई संदिग्ध लिंक पर टच करा अथवा बहकावे में लेकर ओटीपी की जानकारी हासिल करते हुए साइबर फ्राड को अंजाम दे रहे है। साइबर अपराध से बचाव का सबसे कारगर तरीका है खुद जागरूक रहकर सतर्कता बरतना और लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करना है, उक्त बाते सोमवार, 03 नवम्बर 2025 को स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रेमनगर में आयोजित साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम के दौरान डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने कही।कार्यक्रम में प्राचार्य मनोज झा, शिक्षक कमलेश टेकाम, अमरजीत सोलंकी, छात्र ज्योति साहू, साक्षी दुबे, इंडिया रजक, श्याम लाल साहू व आलोक सिंह ने अपने एवं परिजनों के साथ हुए साइबर फ्राड के बारे में बताया। प्राचार्य मनोज झा ने बताया कि उनके मोबाईल पर एक व्यक्ति ने फोन कर बच्चा बीमार है उसके ईलाज के लिए पैसे की आवश्यकता बताकर पैसे ठगते हुए साइबर फ्राड किया। इसी प्रकार छात्रों ने साइबर फ्राड के अपने अनुभवों को साझा किया और संदेश दिया कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और अपनी निजी/वित्तीय जानकारी साझा न करें। यदि धोखाधड़ी होती है तो राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज कराए। इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने कहा कि जिले के साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम को आमजनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। जागरूकता के आयोजनों, सोशल मीडिया के माध्यम से लोग लगातार जागरूक हो रहे है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में तकनीक काम को आसान बना रहा है किन्तु साइबर अपराधी तकनीक का गलत फायदा उठाकर लोगों के पैसे का धोखाधड़ी करने में लगे हुए है। कोई आप से ओटीपी मांगता है तो उसे साफ शब्दों में कहे कि ओटीपी नहीं देंगे हमें कोई काम होगा तो हम बैंक जाकर अपना काम करा लेंगे, किसी संदिग्ध लिंक पर टच न करें, व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से परहेज करते हुए सुरक्षित ऑनलाइन आदते अपनाए। साइबर फ्राड होने पर साइबर हेल्पलाईन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत जरूर दर्ज कराए इससे होगा यह कि आपका पैसा ठगने वाले व्यक्ति का खाता और रकम तुरंत होल्ड होगा और आपकी रकम वापस मिल सकेगा। साइबर जागरूकता के लिए सूरजपुर पुलिस लगातार कार्य कर रही है किन्तु हम सभी का भी दायित्व है कि साइबर फ्राड रोकने के लिए व्यापक रूप से जन जागरूकता फैलाए ताकि प्रत्येक गांव के अंतिम छोर में रहने वाले व्यक्ति साइबर अपराध के प्रति सचेत रहे और साइबर धोखाधड़ी से बच सके। नगर पंचायत अध्यक्ष सुखमनिया जगते व एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी ने साइबर सुरक्षा के उपाए बताया और कहा कि किसी भी लालच में न जाए, कोई भी कम समय रकम दोगुना नहीं करता, लॉटरी लगने के नाम पर कैसे धोखाधड़ी की जा रही है उसके बारे में बताया। साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम में प्राचार्य आर.बी.सिंह, थाना प्रभारी प्रेमनगर विराट विशि, शिक्षक देव सिंह, अमरजीत सोलंकी, कुमार सिंह, मारर्तण्ड, बी.कंवर, पूनम कश्यप, आशिष एक्का, स्वामी आत्मानंद, आईटीआई व कस्तुरबा गांधी स्कूल व छात्रावास प्रेमनगर के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मुनिराज ने प्रवचन में आत्मा की खोज, गुरु की भूमिका और आने वाली कठिनाइयों तथा उनके समाधानों पर अत्यंत गहराई से विचार प्रस्तुत किए

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली आज दिगंबर जैन धर्मशाला में परम पूज्य वात्सल्य दिवाकर मुनि श्री 108 विव्रत सागर जी मुनिराज ने प्रवचन में आत्मा की खोज, गुरु की भूमिका और आने वाली कठिनाइयों तथा उनके समाधानों पर अत्यंत गहराई से विचार प्रस्तुत किए हैं। आत्मा की खोज को यहाँ एक गहरी आंतरिक तड़प और आवश्यकता के रूप में बताया गया है। मुनिराज इसे एक मेले में खोए हुए बच्चे की अपनी माँ को ढूँढने की बेचैनी से तुलना की गई है। आत्मा की खोज केवल शास्त्र पढ़ने या तर्क-वितर्क से संभव नहीं है, बल्कि यह अनुभवजन्य है – आत्मार्थी को स्वयं भीतर उतरकर आत्मा का अनुभव करना होता है। जब तक भीतर से आत्मा को पाने की तीव्र इच्छा और व्याकुलता नहीं जागती, तब तक धर्म का वास्तविक मार्ग प्रारंभ नहीं होता। गुरु की भूमिका आत्मिक यात्रा में अत्यंत महत्त्वपूर्ण मानी गई है। गुरु वह मार्गदर्शक हैं जो आत्मा की खोज के लिए सही दिशा दिखाते हैं और शिष्य को भटकने से बचाते हैं। गुरु दीक्षा, साधना का मार्ग और आध्यात्मिक आधार प्रदान करते हैं, परंतु आत्मा को खोजना स्वयं शिष्य का कर्तव्य होता है। जब आत्मा का अनुभव होता है, तो उसका श्रेय सदैव गुरु को दिया जाता है, क्योंकि वे ही मोक्ष का मार्ग दिखाने वाले परम हितैषी हैं। मेले में खोए हुए बच्चे की कहानी इस वार्ता का केंद्रीय प्रतीक है। इसमें बच्चा आत्मा का, माँ शुद्ध आत्मा या परमात्मा का, और मेला संसार के मोह-माया का प्रतीक है। जब बच्चा मेले में खोकर भोगों में रम जाता है, तो वह आत्मा के संसार में खो जाने का द्योतक है। जब उसे माँ की याद आती है, तो यह आत्मा में अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की तड़प का प्रतीक है। पुलिसवाला गुरु का प्रतिनिधित्व करता है, जो सही दिशा दिखाता है, पर माँ (आत्मा) को पहचानना बच्चे (शिष्य) को स्वयं करना होता है। संसार का मोह, आत्मा के लिए तीव्र तड़प का अभाव, प्रतिष्ठा का मोह, और केवल शाब्दिक ज्ञान में उलझ जाना हैं। बहुत से लोग आत्मा की खोज को जीवन की आवश्यकता के रूप में नहीं देखते। समाधान के रूप में यह बताया गया है कि आत्मा के प्रति तीव्र लालसा उत्पन्न करनी चाहिए, जैसे जल बिना मछली तड़पती है। आत्म-खोज में स्वप्रयास आवश्यक है, पर योग्य गुरु का मार्गदर्शन अनिवार्य है। गुरु मार्ग दिखाते हैं, लेकिन उस पर चलकर आत्मा तक पहुँचना साधक का अपना प्रयास होता है। इस प्रकार, आत्मा की प्राप्ति गुरु-कृपा और आत्म-परिश्रम – दोनों के सम्मिलन से संभव होती है। आज चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन सुरभि जैन नेहा जैन द्वारा पाद प्रक्षालन जिनागम मोहित जैन सुनीता जैन परिवार द्वारा, शास्त्र भेंट आदेश जैन परिवार उषा जैन रेखा जैन द्वारा किया गया। आज आहार चर्या शिशिर जैन कपिल जैन पारुल जैन परिवार में संपन्न हुई।

कैराना महोत्सव मेला बना विवादों का अड्डा – मौत का कुआं, जुए के ठिकाने और फर्जी परमिशन का खेल

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कैराना शामली झाड़खेड़ी रोड पर आयोजित कैराना महोत्सव मेला इस बार मनोरंजन से ज्यादा विवादों के कारण सुर्खियों में है। जहां एक ओर मौत का कुआं बिना सुरक्षा इंतज़ामों के चल रहा है, वहीं दूसरी ओर मेले में खुलेआम जुए के अड्डे और सट्टे का खेल खेला जा रहा है। प्रशासन की चुप्पी ने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है। फर्जी परमिशन का खेल – मेरठ के सागर प्रजापति के नाम पर चल रहा पूरा मेला जांच में यह बात सामने आई है कि मेले की परमिशन मेरठ निवासी सागर प्रजापति के नाम पर ली गई है, जबकि मेला कैराना क्षेत्र की ज़मीन पर लगा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, परमिशन केवल सांस्कृतिक और पारिवारिक मनोरंजन कार्यक्रमों के लिए जारी की गई थी, लेकिन ज़मीन पर जुए के अड्डे, मौत का कुआं और अवैध स्टॉल चल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यह मेला प्रशासन की मिलीभगत से चल रहा है, वरना इतनी बड़ी अवैध गतिविधि बिना अधिकारियों की जानकारी के कैसे संभव है? मौत का कुआं बिना सुरक्षा, बिना अनुमति, मौत को न्योता मौके पर देखा गया कि मौत के कुएं में बिना किसी सुरक्षा घेरे के मोटरसाइकिल और कार स्टंट किए जा रहे हैं। दर्जनों दर्शक दीवारों के बिलकुल पास खड़े होकर यह खतरनाक करतब देख रहे हैं। किसी बड़े हादसे की आशंका लगातार बनी हुई है।एक दर्शक ने बताया यह मौत का कुआं नहीं, मौत का जाल है। अगर प्रशासन ने समय रहते रोकथाम नहीं की, तो कोई बड़ा हादसा तय है। मीडिया की आड़ में जुए का खेल – खुलेआम चल रहा अवैध कारोबार शाम ढलते ही मेले में मीडिया कवरेज और प्रेस बोर्ड के नाम पर कुछ लोग जुए और सट्टे का खेल शुरू कर देते हैं। लाखों रुपये का लेन-देन खुलेआम हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि आयोजक प्रशासन को गुमराह करने के लिए 卐मीडिया गतिविधि का सहारा ले रहे हैं, ताकि कार्रवाई से बचा जा सके।अधिकारियों की चुप्पी न एसडीएम बोले, न कोतवाल जब इस पूरे विवादित मेले के संबंध में उप-जिलाधिकारी (एसडीएम) कैराना और कोतवाल कैराना से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो दोनों अधिकारियों ने कॉल रिसीव नहीं की। प्रशासनिक जिम्मेदारों की यह खामोशी कई सवाल खड़े करती है – क्या अधिकारी पूरे प्रकरण से अनजान हैं, या जानबूझकर चुप्पी साधे हुए हैं?स्थानीय लोगों की मांग तुरंत जांच हो, परमिशन रद्द की जाए ग्रामीणों, समाजसेवियों और व्यापारी संगठनों ने एकजुट होकर मांग की है कि इस विवादित मेले में चल रही अवैध गतिविधियों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और सागर प्रजापति के नाम से जारी की गई परमिशन तत्काल निरस्त की जाए।लोगों का कहना है कि यह मेला प्रशासन और अवैध कारोबारियों की मिलीभगत का नतीजा है, जहां जनता की सुरक्षा और कानून दोनों की अनदेखी की जा रही है। विवादों में घिरा कैराना महोत्सव मेला– मनोरंजन नहीं, भ्रष्टाचार की मिसाल अब यह मेला जनता के मनोरंजन का नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, लापरवाही और अवैध कारोबार का प्रतीक बन चुका है। लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, तो वे जिलाधिकारी से लेकर शासन स्तर तक इस पूरे मामले की शिकायत करेंगे। कैराना का महोत्सव, अब विवादों का मेला बन चुका है – जहां मनोरंजन की जगह अराजकता और कानून की अनदेखी ने डेरा डाल लिया है।

बारिश से भीगी धान की फसल में अंकुरण, किसानों की बढ़ी चिंता, कुछ दिन पहले लगातार एक सप्ताह तक हुई बारिश से बड़ा नुकसान

क्यूँ न लिखूँ सच /चांदनी बिहारपुर चक्रवाती तूफान मर्मोथा के प्रभाव से कुछ दिन पहले लगातार एक सप्ताह तक बारिश हुई थी। खेतों में पानी भरा रहा और धूप न निकलने के कारण कटाई कर खेतों में रखी धान की बालियां भीगती रहीं। लगातार भीगने से धान की बालियों में अंकुरण शुरू हो गया है, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन पर गंभीर असर पड़ा है। तेज आंधी और बारिश से कई किसानों की खड़ी फसल भी गिरकर सड़ने लगी। किसानों का कहना है कि इस वर्ष धान उत्पादन कम होने से आर्थिक संकट गहरा जाएगा। प्रभावित गांव- कोल्हूआ, महुली, खोहीर, रामगढ़, उमझर, रसौकी, जूडवनिया, बैजनपाठ, लूल्ह, तेलाईपाठ, भून्डा, कछवारी, नवडीह, मोहरसोप, खैरा, चोगा, करौटी, कछिया, परसा, बलीयरी, छतरंग, बाक, असुरा, पालकेवरा, केंसर, खोड़, बिहारपुर सहित 30 से अधिक गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक धान की फसल नुकसान होने का अनुमान है। किसान ब्रह्मदेव जायसवाल स्थानीय किसान ब्रह्मदेव जायसवाल ने बताया कि धान कट चुकी थी, बस सूखने की देर थी, लेकिन लगातार बारिश ने पूरी फसल खराब कर दी। धान अंकुरित हो रही है, जिससे उसे बेचना भी मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि परिवार की आजीविका खतरे में है और तत्काल सरकारी मदद जरूरी है। किसान क्रेडिट कार्ड से लिया लोन भी बना चिंता ग्रामीण किसानों द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड (च्ष्ट्ट) के माध्यम से जिला सहकारी बैंक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक से लोन लिया गया है। लेकिन अब फसल खराब होने से किसान लोन चुकाने में असमर्थ हो सकते हैं, जिससे उन पर दोहरा संकट खड़ा हो गया है। बीमा का लाभ लेने में भी परेशानी किसानों ने बताया- कई लोगों के पास मोबाइल नहीं ऑनलाइन दावा प्रक्रिया कठिन बैंक व पोर्टल की जानकारी का अभाव इस कारण बीमा का लाभ भी समय पर नहीं मिल पा रहा है। किसानों की प्रशासन से माँग गांव-गांव सर्वे कर वास्तविक नुकसान दर्ज किया जाए आपदा राहत राशि तत्काल जारी की जाए * बीमा दावा करवाने में सरकारी सहायता प्रदान की जाए किसानों पर ऋण पुनर्भुगतान का दबाव न बनाया जाए किसानों का कहना है कि राहत जल्द न मिली तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी।

अमृत योजना के अन्तर्गत नगरीय निकायों के नागरिकों को दी जा रही हैं बुनियादी सुविधाएं

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ देश में बढ़ते नगरीकरण के कारण बड़े शहरों व छोटे-छोटे नगरों की बसावटों में आवासीय एवं जनसंख्या की वृद्धि हो रही है। बसावटों की वृद्धि के कारण शहरी क्षेत्र बढ़ते जा रहे हैं। शहरी क्षेत्र बढ़ने से जो नागरिक बुनियादी सुविधायें पूर्व से थी उनको विस्तारित करना जरूरी हो गया है। शहरों के नागरिकों को पहली आवश्यकता पेयजल की आपूर्ति और सीवरेज व्यवस्था सही ढंग से संचालित करना है। उसके साथ ही उस क्षेत्र के मार्ग निर्माण, वर्षा व घरेलू जल निकासी, शहरी पथ एवं शहरी यातायात चौराहे, हरित स्थल पार्क आदि के कार्य नगर निकायों को कराना पड़ता है। वर्तमान में प्रदेश में 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद एवं 545 नगर पचायतें है, इस तरह कुल 762 नगरीय निकाय है। बड़े एवं छोटे शहरों की इन्हीं बुनियादी सुविधायें देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने अमृत (अटल मिशन फार रिजुवनेशन एण्ड अर्बन ट्रांसफार्मेशन) योजना आरम्भ की है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में अमृत योजना प्रदेश सरकार ने लागू करते हुए नगरों के विकास कार्य आरम्भ कर दिये हैं। इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक नगरीय परिवार को जलापूर्ति सीवरेज कनेक्शन, हरित क्षेत्रों/पार्कों का विकास आदि कार्य करते हुए नागरिकों को मूलभूत सूविधाएं दी जा रही है। नगरों के विकास के लिए नागरिकों को अच्छी सुविधा देने के लिए प्रदेश सरकार योजनायें लागू कर नगरीय क्षेत्रों का विकास कर रही है। इस योजना के तहत चयनित नगर निकायों में आवागमन की क्षमता निर्माण के कार्य कराये जा रहे हैं। जिनमें गलियां, मार्ग आदि का सुधार/निर्माण कराते हुए नगरवासियों को अच्छी सुविधा दी गयी है। जिन क्षेत्रों में जलापूर्ति का अभाव था, क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाकर घरों में जलापूर्ति की सुविधा दी जा रही है। बस्तियां बढ़ने के कारण जिन क्षेत्रों में सीवरेज की व्यवस्था नहीं थी उन क्षेत्रों में सीवर लाइन बिछाकर सीवरेज की व्यवस्था की जा रही है। जलभराव व वर्षा जल निकासी, नालियों/नालों का निर्माण व जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। शहरी निवासियों के आवागमन, वाहनों की बढोत्तरी होने से चौराहों आदि के चौडीकरण का कार्य स्वच्छता के लिए कूड़ादान की व्यवस्था, पार्कों एवं हरित स्थलों का निर्माण, जीर्णोद्धार आदि कार्य कराते हुए नगरों को स्वच्छ तथा नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया करायी जा रही हैं। अमृत योजना 1.0 कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में पेयजल, सीवरेज एवं हरित भूमि/पार्कों के निर्माण व विकास की कुल 723 परियोजनाएं स्वीकृत है, जिनकी कुल लागत रू0 11312.10 करोड़ है। स्वीकृत पेयजल की 169 परियोजनाओं में 164 पूर्ण तथा सीवरेज की 113 परियोजनाओं में 100 पूर्ण की गयी है। हरित भूमि एवं पार्क विकास की 441 परियोजनाओं में 319 पूर्ण हो गयी है। इस प्रकार प्रदेश के नगरीय निकायों में संचालित उक्त योजनाओं में कुल 583 परियोजनायें पूर्ण हो गई है। अमृत योजना के तहत पेयजल की 464 नग नए नलकूपों में से 461 नग नलकूप का कार्य पूर्ण किया गया है। 80 नग नलकूपों के रीबोर के सापेक्ष 77 नलकूप पूर्ण हो गये है। 199 अवर जलाशय का कार्य तथा 121 भूमिगत जलाशयों का कार्य पूर्ण हो गया है। वितरण प्रणाली के अन्तर्गत 6095.20 कि0मी0 का कार्य पूर्ण किया गया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 9.56 लाख प्रस्तावित पेयजल गृह संयोजन के सापेक्ष 9.24 लाख गृह संयोजन का कार्य पूर्ण करते हुए लोगों को पेयजल की अपूर्ति की जा रही है। सीवरेज कार्यों के तहत 3214.38 कि0मी0 प्रस्तावित सीवर नेटवर्क के सापेक्ष 3159.89 कि0मी0 नेटवर्क का कार्य पूर्ण हो गया है। अमृत योजना के अन्तर्गत नगरीय निकायों में 408 एम0एल0डी0 क्षमता के प्रस्तावित 14 एस0टी0पी0 तथा 405 एम0एल0डी0 क्षमता के 05 डब्ल्यू0टी0पी0 निर्माणाधीन है, जिनमें से 288 एम0एल0डी0 की क्षमता के 13 एस0टी0पी0 एवं 210 एम0एल0डी0 क्षमता के 04 डब्ल्यू0टी0पी0 का निमार्ण पूर्ण हो चुका है। 10.88 लाख प्रस्तावित सीवर गृह संयोजनों के सापेक्ष 9.01 लाख गृह संयोजनों का कार्य पूर्ण किया गया है। हरित भूमि व पार्क विकास के अंतर्गत 341 परियोजनाओं के सापेक्ष 319 परियोजनायें पूर्ण हो गई है। अमृत 2.0 मिशन भारत सरकार द्वारा (पूर्व नाम जल जीवन मिशन-शहरी) नाम से नई योजना अक्टूबर, 2021 में प्रारम्भ की गयी है, जिसका उद्देश्य देश के सभी नगरीय निकायों में घरेलू नल कनेक्शनों के साथ सर्वसुलभ जल आपूर्ति और अमृत शहरों में तरल अपशिष्ट प्रबन्धन की व्यवस्था करना है। यह योजना प्रदेश के समस्त 762 नगरीय निकायों (17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद एवं 545 नगर पंचायत) में लागू हो गई है। अमृत 2.0 के अन्तर्गत प्रदेश में लगभग 25,000 करोड़ रूपये की परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिनमें कुल 563 परियोजनाएं स्वीकृत है। इन स्वीकृत परियोजनाओं में 26 परियोजनाएं पूर्ण हो गयी है शेष पर कार्य प्रगति पर है। प्रदेश सरकार नगरीय मूलभूत सुविधायें सुलभकराकर नागरिकों को स्वच्छ, सुन्दर वातावरण दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

मरौरी ब्लॉक- मनरेगा में फर्जी हाजिरी का बड़ा घोटाला, लोकहा पंचायत में 61 की जगह सिर्फ 23 श्रमिक, मक्तूल में 62 की जगह 33; लाखों की चोरी, रोजगार सेवक-प्रधान-सचिव की मिलीभगत

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत जिले के मरौरी ब्लॉक के ग्राम पंचायत लोकहा और मक्तूल में मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ, जहां फर्जी हाजिरी से सरकारी पैसे लूटे गए। आज 2 नवंबर को सत्यापन में लोकहा पंचायत के 9 मास्टर रोल (स्र्स्क्र) में 61 श्रमिक दिखाए गए, लेकिन काम की साइट पर केवल 23 श्रमिक ही थे – मतलब 38 फर्जी नामों से रोजाना मजदूरी के हजारों रुपये उड़ाए। इसी तरह मक्तूल पंचायत के 10 मास्टर रोल में 62 श्रमिकों की हाजिरी दर्ज, जबकि मौके पर सिर्फ 33 श्रमिक काम कर रहे – 29 फर्जी एंट्रीज से लाखों की चोरी। यह सब रोजगार सेवक, ग्राम प्रधान और सचिव की सांठ-गांठ से संभव हुआ, जहां नकली साइन और नाम जोड़कर स्र्स्क्रपास किए गए। लोकहा में नाला खुदाई और मक्तूल में नाला खुदाई जैसे कामों पर फर्जीवाड़ा पकड़ा गया, जिससे असली श्रमिकों का हक मारा गया। जिले में मनरेगा गरीबों का सहारा है, लेकिन ऐसे घोटालों से भरोसा टूट रहा।

निशुल्क नेत्र परीक्षण में सैकड़ा मरीज देखे गये

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) विमल क्लीनिक कोंच एवं नारी समर्था साईं आई हॉस्पिटल कानपुर के सहयोग से आज रविवार को स्थान मार्कण्डेश्वर तिराहा के समीप उरई रोड कोच मै नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं नि:शुल्क दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया ये नेत्र शिविर सुबह दस बजे से दोपहर दो बजे तक चला इस नेत्र शिविर मरीजों का नि:शुल्क परीक्षण किया गया जिसमें एक सैकड़ा लगभग मरीज ऐसे निकले जिनको मोतियाबिंद की शिकायत थी और उन्हें चिन्हित किया गया और उन्तालीस मरीज जिनके मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए कानपुर भेजा गया है इस शिविर में तैंतीस चश्मे और जरूरत मंदों को दवा भी नि:शुल्क वितरित की गई इस अवसर पर डॉअमन आनंद एम बी बी एस जनरल फिजिशियन डॉकुलदीप सिंहनेत्र परीक्षक डॉ ज्योत्सनाफार्मसिस्ट डॉ अभिषेक फिजिओथेरेपिस्ट शशांक मौर्य नेत्र परीक्षक एकता मिश्रा सहित कई लोग मौजूद रहे।

पत्नी ने सीओ से पति की शिकायत की कैलिया पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की तब सीओ को दिया पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना कैलिया के ग्राम बरोदा कला निवासिनी हाल निवासी सिकरी व्यास थाना कोटरा राजवती पत्नी अखिलेश बरार ने कोंच के पुलिस क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद को एक शिकायती पत्र देते हुए बताया कि घटना दिनांक 29 अक्टूबर समय करीब सुबह दस बजे की है जब मैं घर पर थी तभी मेरा पति अखलेश पुत्र किशोरी बरार शराब पीकर आया और मेरे साथ गाली गलौच करते हुए मुझे मारा पीटा मेरा पति मेरे साथ आये दिन मारपीट करता रहता है और उपद्रव मचा कर मुझे परेशान करता है तब मैं अपनी चार नाबालिग पुत्रियां व पुत्र के साथ अपने मायके ग्राम व्यास की सिकरी में रह रही हूं ससुराल से मैं एक साड़ी और बिना जेबरात के गयी थी और मैने थाना कैलिया में प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर पुलिस मेरे पति को पकड़ लायी थी और उसे छोड़ भी दिया और ठीक से कार्यवाही नहीं की अब मेरा पति मुझे झूठे केस में फसाना चाहता है राजवती ने सी ओ से उक्त के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकद्दमा दर्ज किये जाने की मांग की है।

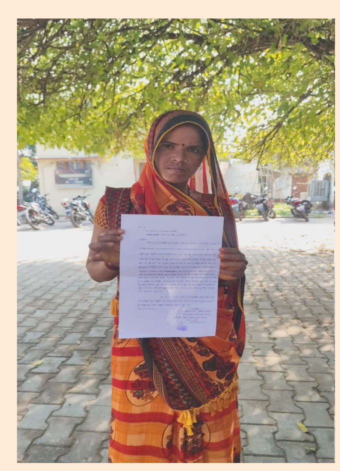

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

The Risk of Viral Fever Increases During Changing Seasons: Adopt These Measures Now to Boost Immunity

The risk of viral fever increases during changing seasons. At such times, it is very important to keep your immunity strong. Let's learn about some ways to strengthen immunity in this article. The cold weather is gradually beginning. As the weather changes, the risk of seasonal infections increases rapidly. In this changeable weather, our body cannot immediately adapt itself to the external temperature, which weakens our immune system. Due to weak immunity, viruses and bacteria easily attack, which makes problems like colds, coughs, sore throats, and high fever common. In such a situation, the most effective way to avoid illnesses is to strengthen your immunity by making changes in your lifestyle and diet so that the body can successfully fight any infection. Therefore, let's learn about some measures that can boost our immunity. These measures activate the body's natural defense system instead of relying solely on medicines, keeping you healthy throughout the season. Increase Vitamin C and Zinc in your diet - Vitamin C and zinc are most important for boosting immunity. Include citrus fruits (such as oranges, lemons, and amla) and guava in your diet. For zinc, eat pumpkin seeds, lentils, and whole grains. These nutrients increase the production of white blood cells, which help the body fight viral infections. Herbal decoctions and turmeric milk - Before winter, start drinking an herbal decoction made from basil, ginger, black pepper, and cloves. Make it a habit to drink warm milk with turmeric every night before going to sleep. The curcumin present in turmeric and the properties of ginger are powerful anti-inflammatory and antiviral, which prevent throat infections and keep the body warm from within. Sleep and stress management are essential - Getting enough deep sleep (7-8 hours) is most important. The body produces cytokines (infection-fighting proteins) only during sleep. Along with this, practice yoga and meditation to manage stress, as excessive stress directly weakens your immunity. Maintain good hygiene and hydration. Pay special attention to cleanliness around you, especially keeping your hands clean regularly, as this can prevent the spread of viral infections. Wash your hands several times a day. Also, drink 7-8 glasses of water throughout the day. Drink lukewarm water every morning and keep yourself hydrated by drinking herbal tea. Hydration helps flush out toxins from the body.

Do you have Alzheimer's? You can find out at home; a doctor has explained an easy way.

To determine whether someone has Alzheimer's or dementia, an expert has suggested some questions you should ask yourself. This can give you a good indication of whether you have a problem or not. The risk of brain-related problems, which was previously seen primarily with aging, is now affecting younger people as well. People under 30 are increasingly visiting hospital OPDs with various neurological problems. Doctors are viewing this as a serious challenge. Problems like memory loss, difficulty concentrating, and behavioral changes have become quite common. The incidence of another brain-related disease has risen sharply in recent decades. We are talking about Alzheimer's disease and dementia. Alzheimer's and dementia have typically been diseases that occur after the age of 60, although medical reports are expressing concern that the risk is now being seen in people as young as 50. Due to changing lifestyles, stress, lack of sleep, unbalanced diet, and physical inactivity, the risk of this disease is being seen prematurely. Now, the big question in people's minds is how to find out if someone has Alzheimer's disease, or if it is just beginning? Understanding the risk of Alzheimer's disease and dementia: It is important to understand that Alzheimer's disease is actually the most common type of dementia, in which memory gradually deteriorates, and the person begins to have difficulty recognizing people, places, and events around them. Dementia, on the other hand, is a broader term that affects the brain's ability to think, remember, and make decisions. To determine whether someone has Alzheimer's or dementia, an expert has suggested some questions you should ask yourself, which can give you a good indication of whether you have a problem or not. Could you also have Alzheimer's? Dr. Peter Rabins, a professor in the Alzheimer's department at Johns Hopkins University, has studied people suffering from this disease for 40 years. He says this problem is rapidly increasing, and everyone should be alert to it. If you are genuinely concerned that you might have this disease, ask yourself some questions; this can help clarify the situation. Are you having trouble remembering the names of your close friends or family members? If you are having difficulty remembering a word or name, Dr. Rabins says this could be an early sign of Alzheimer's. Misplacing your glasses or keys and not being able to find them at the age of 30 or 40 is not Alzheimer's. But forgetting or being unable to recall relatives, close friends, or important events is far more concerning. Are you having trouble doing things you used to do easily? If you suddenly find it difficult to manage finances or cook, even though you've been doing it without any problems for decades, it could be a warning sign. The real reason for sudden difficulty in performing tasks is cognitive decline. Can you perform tasks that require interacting with multiple people simultaneously? Doctors say that in clinics where Alzheimer's is diagnosed, patients are asked to answer math problems. This is to assess their ability to hold multiple things in their minds at once. If you find it difficult to multitask or work with multiple people simultaneously, it could be a sign of Alzheimer's. Do you drink alcohol? Dr. Rabins says that after the age of 60, our bodies don't metabolize alcohol properly. If you drink alcohol, it can also impair brain health and increase the risk of developing Alzheimer's.

Is it safe to make friends on Facebook? One mistake and all the money will be gone from your bank account.

If you also use Facebook, you need to be a little careful. Otherwise, your bank account could be emptied in minutes. People are connected on various social media platforms these days. From Instagram to Facebook, people are connected and spend time there. Some share their thoughts, while others share photos or videos, etc. People do the same on Facebook. Here, if you want to add someone to your account, you have to send them a friend request or accept the request from someone who has sent you one. Here, people also make many friends whom they have never met in person, but they are their Facebook friends. In such a case, if you also make friends with people on Facebook, you need to be a little careful. Otherwise, you could be scammed. What is this fraud and how does it happen? If you are also on Facebook, be careful, otherwise, one small mistake and you could be scammed. In fact, fraudsters first send you a friend request. Usually, these friend requests come in the name of a girl so that people accept them quickly. This is where the scam begins. The fraudsters cleverly create Facebook IDs that look real. They might message or call you, making you believe that the person is real and legitimate. First, they gain your trust by talking to you so that you can't refuse anything they ask. Then, as soon as the person feels that you have started trusting them, they might send you a link, which they might claim is for a survey. They might tell you to fill out this survey and you will get some money, etc. Now, if you trustingly click on this link, it contains malware, and your mobile phone will be hacked, and your bank account will be emptied in minutes. Here's how to protect yourself from such fraud: Never add any unknown person to your friend list, nor send friend requests to anyone you don't know. If someone is tempting you with a lottery, survey, or anything similar, never trust them. Never click on unknown links that appear on social media, etc.

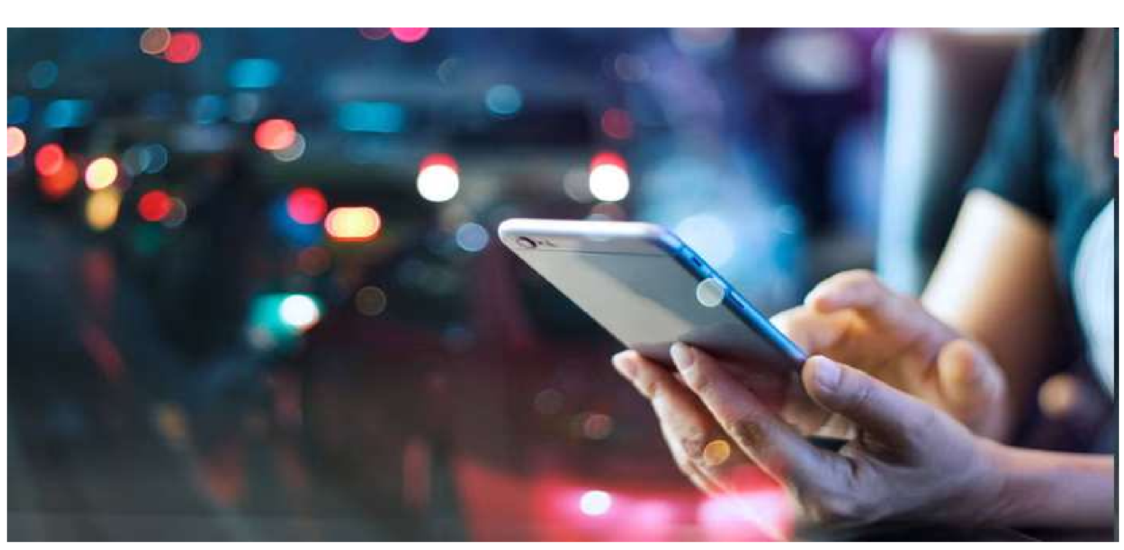

Janhvi Kapoor's First Look from Ram Charan's Film 'Peddi' Released; She Will Be Seen as Achiyamma

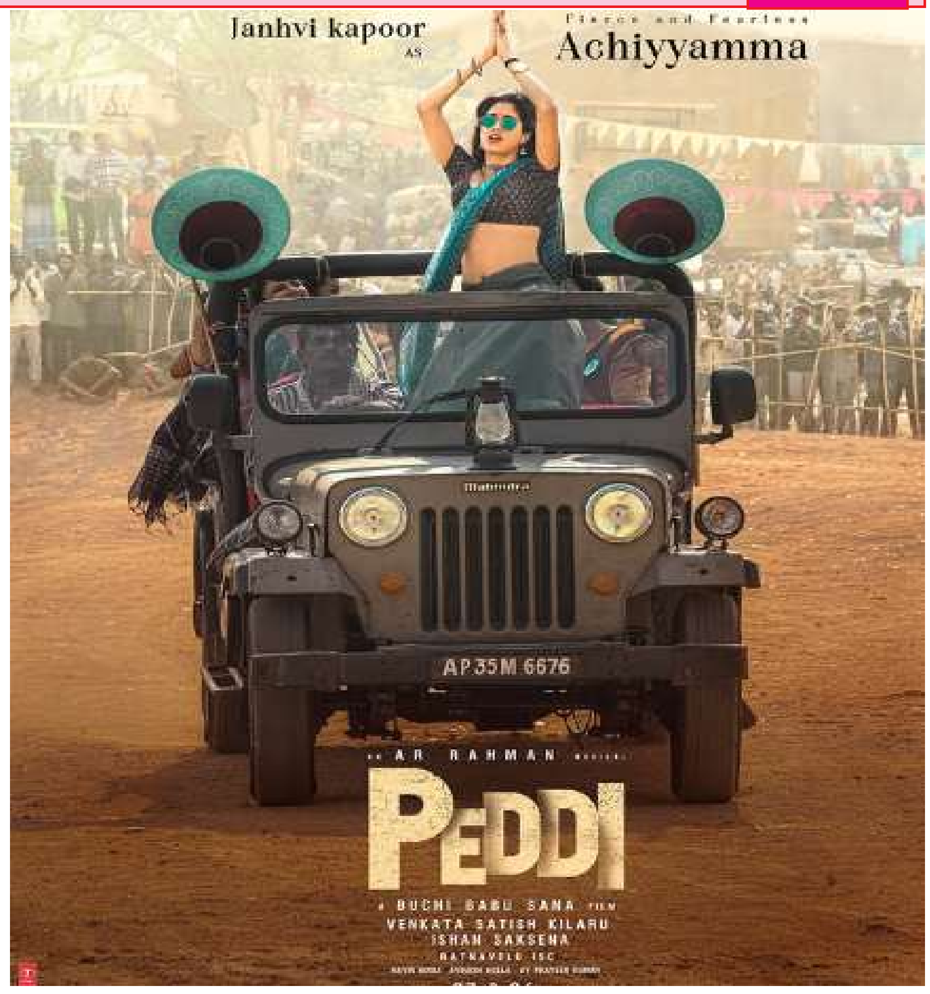

The first look of actress Janhvi Kapoor from South actor Ram Charan's upcoming film 'Peddi' has been released. There is a lot of excitement among the audience regarding Ram Charan's upcoming film 'Peddi'. Today, Saturday, the filmmakers released the first look of Bollywood actress Janhvi Kapoor, who is playing the lead role in the film. In this film, the actress will be seen in the role of Achiyamma. Janhvi Kapoor's Swag Style Attracts Attention - The makers of the film 'Peddi' released a new poster of the film today, November 1st. In this, they revealed the first look of actress Janhvi Kapoor and details about her character. Two posters of the film have been released. In one, the actress is seen speaking into a microphone, with sunglasses tucked into her blouse. This showcases her stylish and confident look. In another poster, the actress is seen greeting the public from an open jeep. In this too, she looks stunning and glamorous. When will the film be released? This film will be released in theaters on March 27, 2026. The film will be released in all languages. Apart from Ram Charan and Janhvi Kapoor, Divyendu Sharma, Shiva Rajkumar, and Jagapathi Babu will also be seen in prominent roles in 'Peddi'. About the film: The film 'Peddi' is being directed by Buchi Babu Sana. This film is being produced by Sukumar Writings, Mythri Movie Makers, and T-Series. It is being jointly produced under the banner of Vriddhi Cinemas. Oscar winner A.R. Rahman is composing the music for the film, Rathnavelu is handling the cinematography, Kolla Avinash is the art director, and Naveen Nooli is the editor.

19-year-old Shah Rukh Khan fell in love with 14-year-old Gauri at first sight; know their interesting love story

Shah Rukh Khan and Gauri's love story has been unparalleled in Bollywood. If a title for the most beautiful couple in Bollywood were to be given, no other name could be better than Shah Rukh and Gauri. Today, November 2nd, Shah Rukh Khan is celebrating his 60th birthday. Shah Rukh Khan and Gauri's love story is one of the most special in Bollywood. They are called the most beautiful couple. On this special occasion, know the interesting love story of Shah Rukh and Gauri Khan. How they met: Shah Rukh and Gauri first met in 1984 at a friend's party in Delhi. Shah Rukh was 18 years old at the time and Gauri was 13. Shah Rukh liked Gauri at first sight. Gauri was dancing with another boy at the party. Shah Rukh mustered the courage to ask Gauri to dance, but Gauri refused. Still, Shah Rukh started a conversation and the two became friends. Shah Rukh's love and possessiveness: Shah Rukh loved Gauri very much. Shah Rukh was also quite possessive of Gauri. He didn't like Gauri keeping her hair open or talking to any boy alone. He even didn't let Gauri wear a white shirt. This made Gauri feel that they should take a break from the relationship. But Shah Rukh didn't agree. Family's disapproval: Gauri was from a Hindu Brahmin family and Shah Rukh was Muslim. Both their families were not happy with the marriage. Gauri's parents didn't like Shah Rukh because he wanted to become an actor. Gauri's father was a pure vegetarian. Shah Rukh was struggling in films at that time. Once Gauri went to Mumbai, Shah Rukh went from Delhi to find her. How they got married: The biggest problem in Shah Rukh and Gauri's marriage was religion. Shah Rukh worked very hard to convince Gauri's family and finally succeeded. According to media reports, on August 26, 1991, they got married in court. Then there was a Nikah ceremony, in which Gauri's name was kept as Aisha. On October 25, 1991, a Hindu wedding ceremony was held. The marriage took place according to the customs of both religions. Gauri adopted the name Gauri Khan after marrying Shah Rukh. The story after the wedding: After their marriage, Shah Rukh became a superstar, and Gauri became his biggest support. They now have three children – Aryan Khan, Suhana Khan, and AbRam Khan. Their bond has remained strong for over 30 years. Shah Rukh Khan will soon be seen in the film 'King'. His daughter, Suhana Khan, will also appear in this film alongside him.

Amidst the chaos of the world, wife calls Ayushmann her anchor; shares pictures on their wedding anniversary

Ayushmann Khurrana is celebrating his wedding anniversary today. On this occasion, his wife has shared pictures on Instagram and written a beautiful post. Ayushmann Khurrana is currently in the news because of his film 'Thama'. Meanwhile, today is his wedding anniversary. On this occasion, his wife Tahira Kashyap has shared pictures of the two on the social media platform Instagram and written a wonderful post. Let's see what's in her post? Tahira shared pictures - In the pictures shared by Tahira Kashyap, she is seen looking like a bride. Her husband Ayushmann Khurrana is kissing her forehead. Tahira has placed both her hands on her husband's chest. In another picture, Tahira Kashyap has her hand on Ayushmann's shoulder and both are spending peaceful moments together. Tahira wrote a beautiful post - Sharing the pictures, Tahira Kashyap wrote in the post, "Happy legal wedding anniversary. We got married on this day 17 years ago. Amidst the hustle and bustle and ups and downs of the world, you are my anchor. It feels like you have always been this way. Even in the worst times, you have always done the best for me. You have done for me what no one else could, perhaps no one else will." Celebs commented on Tahira's post - Many users have liked Tahira's post. Several celebrities have commented on it. Actress Neena Gupta wrote, "Blessings on you." Rakul Preet Singh wrote, "Congratulations to the sweetest couple." Twinkle Khanna commented with heart and clapping emojis. Sonali Bendre commented with a heart emoji. Ayushmann Khurrana's marriage - Ayushmann Khurrana married his childhood friend, filmmaker and journalism teacher Tahira Kashyap in 2008. The couple has welcomed a son and a daughter. Ayushmann Khurrana's work: Ayushmann was last seen in the film 'Thank God', which released on October 21st. The film has earned over 111 crore rupees at the box office. He will soon be a part of the film 'Pati Patni Aur Woh 2'.